सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 123 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 14 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

नेशनल हाईवे पर कार की ट्रक से टक्कर, 201 कोबरा बटालियन के चार जवानों की मौत, सीएम साय ने जताई संवेदना

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। धमतरी जिले के नेशनल हाईवे-30 पर खपरी के पास एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में चार जवानों की मौत हो गई है। वहीं, एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है। बताया गया कि मृतक और घायल जवान 201 कोबरा बटालियन के हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा गया।

मिली जानकारी के अनुसार सभी जवान जगदलपुर से कार से रायपुर की ओर जा रहे थे। तभी आज सुबह खपरी के पास जवानों की कार पहुंची और सड़क किनारे खड़ी ट्रक से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पूरी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क हादसा होते देख आसपास के लोगों ने तुरंत एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। इस हादसे में जवान मुकेश कुमार, सौरभ तोमर, राजकुमार गोंड और हीरा लाल नागर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अभियान राय नामक एक जवान गंभीर रूप से घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने जताया गहरा शोक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज धमतरी में हुए सड़क हादसे में कोबरा बटालियन के वीर जवानों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा में समर्पित हमारे जांबाज जवानों का निधन अत्यंत हृदयविदारक है और यह क्षति अपूरणीय है। मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने में कोबरा बटालियन के जवानों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घायल जवान के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

खास-खबर

रजनीश सिंह बने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के 2026-2028 सत्र के लिए हुए चुनाव में अध्यक्ष पद पर एडवोकेट रजनीश सिंह बघेल ने जीत दर्ज की है। उन्होंने सीनियर एडवोकेट राजीव श्रीवास्तव को 137 वोटों के अंतर से पराजित किया। वहीं सचिव पद पर अनिल त्रिपाठी निर्वाचित हुए हैं। इसके अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर गौतम खेत्रपाल और महिला उपाध्यक्ष पद पर मांडवी भारद्वाज ने जीत हासिल की। चुनाव परिणाम घोषित होते ही अधिवक्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। विजयी प्रत्याशियों ने ढोल-ताशों के साथ जश्न मनाया।

अमृतसर एयरपोर्ट से 1.64 करोड़ का गांजा बरामद बैंकॉक से आया यात्री

अमृतसर। में नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत कस्टम विभाग को सफलता मिली है। कस्टम अमृतसर की टीम ने स्पॉट प्रोफाइलिंग और बैगेज स्क्रीनिंग के दौरान एक यात्री के सामान से 1 किलो 640 ग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.64 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह यात्री बैंकॉक से फ्लाइट नंबर स्रू-214 के माध्यम से श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अमृतसर पहुंचा था। कस्टम अधिकारियों को उसके व्यवहार पर शक हुआ, जिसके बाद सामान की गहन जांच की गई। जांच में बैग के अंदर छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। कस्टम अधिकारियों ने तुरंत आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

मुंबई में मेट्रो का पिलर ऑटोरिक्शा पर गिरा, कई लोग घायल हुए

मुंबई। के मुलुंड इलाके में शनिवार दोपहर एलबीएस रोड स्थित जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के पास बन रहे मेट्रो पिलर का एक हिस्सा अचानक गिर गया। यह हिस्सा नीचे से गुजर रहे ऑटो रिक्शा और एक कार पर गिरा। हादसे में ऑटो में सवार 3 से 4 लोग घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस, मेट्रो स्टाफ वार्ड स्टाफ और 108 एम्बुलेंस सर्विस मौके पर मौजूद हैं।

असम में ईएलएफ की सुविधा : डिब्रूगढ़ के मोरान बाईपास पर पीएम की आपात लैंडिंग

चीन से महज 300 किमी की दूरी, सामरिक शक्ति में जुड़ गया एक नया अध्याय

गुवाहाटी ए.। चीन सीमा के करीब देश की सामरिक शक्ति में आज एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वायुसेना के विशेष विमान से डिब्रूगढ़ जिले में मोरान बाईपास पर बनी आपात लैंडिंग सुविधा पर उतरे। प्रधानमंत्री मोदी की लैंडिंग के साथ ही हाइवे पर स्थित यह पट्टी वायुसेना के रणनीतिक नेटवर्क का हिस्सा बन गई। पीएम मोदी ने भारतीय वायुसेना के सी-130जे सुपर हरक्यूलिस (C-vx130J Super Hercules) से लैंड किया।

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान से ईएलएफ पर उतरे। इसके बाद उन्होंने यहां फाइटर, ट्रांसपोर्ट विमान और हेलीकॉप्टर का हवाई प्रदर्शन (एयर शो) देखा। इसी के साथ भारतीय वायुसेना के सुखोई Su-x30MKI ने डिब्रूगढ़ के मोरन बाईपास पर इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ELF) से उड़ान भरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वहां मौजूद अन्य लोगों ने उड़ान भरते हुए देखा। ईएलएफ पूर्वोत्तर भारत में अपनी तरह की पहली सुविधा है। इसके निर्माण से आपात के दौरान सेना और नागरिक विमान की लैंडिंग और टेक-ऑफमें मदद मिलेगी।

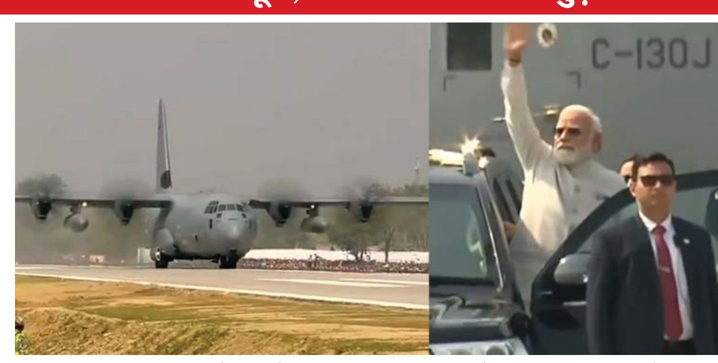

जानिए क्या है इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी

ईएलएफयानी इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी युद्ध और आपात स्थिति में वैकल्पिक रनवे की सुविधा है। जहां हाईवे पर पट्टी बनाई जाती है। जो कि युद्ध या आपातकाल में लड़ाकू विमानों, ट्रांसपोर्ट विमान और हेलीकॉप्टरों के लिए वैकल्पिक लैंडिंग की जगह देती है। ईएलएफ40 टन तक के द्वत्तइटर विमान और 74 टन तक के अधिकतम टेक-ऑफ भार वाला परिवहन विमान को संभालने में सक्षम है।

पांच अन्य जगह भी यह सुविधा

बता दें कि देशभर में 28 ईएलएफ की योजना है। फिलहाल असम को छोड़कर देश में ऐसे पांच जगह ऐसी सुविधा है। असम में यह सुविधा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चीन सीमा के काफी पास है। जो कि सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जिसमें राजस्थान के बाड़मेर (NH-925A), उत्तर प्रदेश के आगर-लखनऊ एक्सप्रेसवे, उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, ओडिशा के बालासोर (NH-16) और आंध्र प्रदेश के नेल्लोर (NH-16) शामिल हैं।

एयरस्ट्रिप पर दिखा वायुसेना का पराक्रम

इस दौरान डिब्रूगढ़ में मोरान बाईपास पर बनी इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ईएलएफ) पर भारतीय वायुसेना ने अपने जांबाज लड़ाकू विमानों का अद्भुत हवाई प्रदर्शन दिखाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस हवाई प्रदर्शन का सीधे निरीक्षण किया। प्रदर्शन में वायुसेना के राफेल, सुखोई, डॉर्नियर और एएन-32 जैसे विमान शामिल थे, जिन्होंने मोरान बाईपास पर विमान टेकऑफ, फ्लाईपास और टचडाउन का शानदार प्रदर्शन किया।

इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी, टॉयलेट में लेटर

कोलकाता से शिलॉन्ग जाने वाली फ्लाइट को एयरपोर्ट पर रोका

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह शिलॉन्ग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E 7304 में बम होने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। विमान में यात्रियों के सवार होने से पहले ही लावेटरी के अंदर एक हस्तलिखित नोट मिला, जिसमें विमान में बम होने का दावा किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते और सुरक्षा एजेंसियां विमान की गहन तलाशी ले रही हैं। अब तक की जांच में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। फिलहाल सुरक्षा जांच जारी है और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं।

विमान को आइसोलेशन बे में भेजा गया

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफइंडिया के अनुसार, नोट को सुबह एक क्रू मेंबर ने देखा, जिसके बाद तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया। एहतियात के तौर पर विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया और मानक संचालन प्रक्रिया के तहत सभी सुरक्षा कदम उठाए गए।

भारत-जापान और इंडोनेशिया की नौसेनाओं ने किया युद्धाभ्यास

नईदिल्ली। भारत, जापान और इंडोनेशिया की नौसेनाओं ने 13 फरवरी को अंडमान सागर में एक त्रिपक्षीय युद्धाभ्यास किया। इस अभ्यास का मकसद तीनों देशों की नौसेनाओं की संयुक्त तैयारी, संचालन क्षमता और सहयोग बढ़ाना था। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास से सुरक्षित, स्थिर और मजबूत समुद्री क्षेत्र बनाए रखने में मदद मिलेगी।

बता दें कि इससे पहले 11 फरवरी को भारतीय नौसेना ने कम्बाइन्ड टास्क फोर्स 154 (सीटीएफ 154) की कमान संभाली। यह एक बहु-राष्ट्रीय प्रशिक्षण टास्क फोर्स है, जो कम्बाइन्ड मेरिटाइम फोर्सेज (सीएमएफ) के तहत काम करता है। कमांड परिवर्तन समारोह बहरीन के मनाामा में हुआ, जिसमें सीएमएफ के कमांडर वीएडीएम कर्ट ए रेनशॉ और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद थे।

भारतीय नौसेना ने सीटीएफ-154 की कमान संभाली

भारतीय नौसेना के कमोडोर मिलिंद मोकाशी, शौर्य चक्र ने सीटीएफ 154 की कमान इटली की नौसेना के पूर्व कमांडर से औपचारिक रूप से संभाली। सीटीएफ 154 का मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण है। यह टास्क फोर्स अवैध तस्करी, समुद्री डकैती और असामान्य प्रवासन जैसी आम समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

जजों के खिलाफ 8 हजार से ज्यादा शिकायतें

नई दिल्ली ए.। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संसद में बताया कि पिछले दस वर्षों में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों के खिलाफ8 हजार 630 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। ये सभी शिकायतें भारत के चीफ जस्टिस को भेजी गईं। पिछले चार वर्षों में ऐसी शिकायतें बढ़ी हैं। कुल शिकायतों में से लगभग 50 फीसदी शिकायतें साल 2022 से 2025 के बीच आई हैं। शुक्रवार अर्जुन राम मेघवाल की ओर से यह जानकारी दी गई।

कानून मंत्री ने कहा कि जजों के खिलाफ आने वाली शिकायतों को देखने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक तय प्रक्रिया है। सर्वोच्च न्यायालय की स्थापित इन हाउस प्रक्रिया के अनुसार चीफ जस्टिस सुप्रीम कोर्ट के जजों और हाई कोर्ट के जजों उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों को देखते हैं। इसी प्रकार, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के के खिलाफ आने वाली शिकायतों को देखते हैं। सरकार को भी जो शिकायतें मिलती हैं उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश या संबंधित मुख्य न्यायाधीशों को भेज दिया जाता है। कानून मंत्री ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता संविधान में निहित है।

एनएच पर हादसा : ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा युवती की मौत और युवक की हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रायपुर से भिलाई लौट रहे थे, दुर्ग-भिलाई। भिलाई में नेशनल हाईवे पर शुक्रवार रात सड़क हादसे में युवती की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा रायपुर से भिलाई आने वाले मार्ग पर चरोदा जीआरपी चौकी के पास रात करीब 10 से 11 बजे के बीच हुआ।

युवती की पहचान 27 वर्षीय गूंजा चतुर्वेदी के रूप में हुई है। वह सुभाष मार्केट, जोन-2, वार्ड 31, बापू नगर खुर्सीपर की रहने वाली थी। 41 वर्षीय दीपक मोंगराज गंभीर रूप से घायल है। जो ओडिया मोहल्ला, वार्ड 33, खुर्सीपार भिलाई के रहने वाला है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार युवक और युवती रायपुर की ओर से भिलाई आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा तेज रफ्तार और वाहन के अनियंत्रित होने के कारण हुआ। इसी दौरान एक ट्रक ने बाइक सवार युवक-युवती को चपेट में ले लिया। घटना भिलाई-3 थाना क्षेत्र की है।

जिंदल स्टील सहित तीन प्लांट पर 10 लाख का जुर्माना

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर श्रम न्यायालय का फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले में संचालित उद्योगों में सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी के चलते हुए हादसों के बाद अब श्रम न्यायालय ने तीन उद्योगों पर लगभग 10 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा दायर किए गए पांच मामलों में यह फैसला आया है।

औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग के उप संचालक राहुल पटेल ने बताया कि समय-समय पर रायगढ़ जिले के कारखानों की जांच की जाती है। किसी भी दुर्घटना या शिकायत के बाद, प्रकरण को श्रम न्यायालय में प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने बताया कि पूर्व में जनवरी माह में प्रस्तुत किए गए पांच प्रकरणों का फैसला आ गया है, जिसके तहत तीन उद्योगों पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

श्रम न्यायालय ने मेसर्स जिंदल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड यूनिट -4 पर 70,000 रुपए, मेसर्स एमएसपी स्टील एंड पावर लिमिटेड जामगांव 6 लाख रुपए, मेसर्स आरएस इस्पात ओपी इंडस्ट्रीयल पार्क पर 1 लाख 40 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा मानकों का पालन न करना उद्योगों के लिए कितना महंगा साबित हो सकता है। श्रमिकों की सुरक्षा किसी भी उद्योग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में सिर्फजुर्माना ही नहीं, बल्कि कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है।

सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता : ताड़पाला हिल्स में 14 आईईडी बरामद, माओवादी स्मारक भी ध्वस्त

सर्च ऑपरेशन के दौरान मिली सफलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एंटी नक्सल ऑपरेशन के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। थाना उसूर क्षेत्र के ताड़पाला हिल्स इलाके में गुरुवार को सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जिसमें कई विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। इसके अलावा कई इुश्श्ठ भी मौके पर निष्क्रिय किए गए। इस अभियान में सीआरपीएफ की 196वीं वाहिनी और कोबरा 204 बटालियन की संयुक्त टीम शामिल थी।

मिली जानकारी के अनुसार थाना उसूर के ताड़पाला हिल्स एरिया में सीआरपीएफ196वीं वाहिनी और कोबरा 204वीं बटालियन की संयुक्त टीम माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए 13 नग डेटोनेटर, 11 किलोग्राम गन पाउडर, 4 नग प्लास्टिक ड्रम, 2 नग स्टील ड्रम, 2 नग लोहे के ड्रम, माओवादी वर्दी, जूते, कैप, डोरी, यूएसबी केबल, सोलर प्लेट और अन्य माओवादी साहित्य आदि बरामद किया है।

कार्रवाई के दौरान, माओवादियों द्वारा जमीन में दबाकर रखे गए 13 नग बीयर बॉटल में प्रेशर स्विच सिस्टम से लगाए गए आईईडी और 01 नग डायरेक्शनल आईईडी (लोहे के पाइप में निर्मित) भी बरामद किए गए। कुल 14 आईईडी को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए बम निरोधक दस्ते द्वारा मौके पर ही सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। विस्फोटक सामग्री बरामद करने के साथ-साथ सुरक्षाबलों ने टेकमेटला कुंजामपारा क्षेत्र में माओवादियों द्वारा निर्मित एक स्मारक को भी ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और लोकतांत्रिक विश्वास की पुनर्स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक कदम मानी जा रही है। सुरक्षाबलों की इस तत्परता और सूझबूझ ने न केवल संभावित जान-माल के नुकसान को रोका, बल्कि माओवादी गतिविधियों पर भी अंकुश लगाने में मदद की है।

संपादकीय

गुमशुदाओं की तलाश

देशव्यापी साजिशों का हो पर्दाफाश

पिछले दिनों दिल्ली में अप्रत्याशित रूप से लोगों की गुमशुदगी की घटनाओं ने नीति-नियंताओं व अदालतों समेत पूरे देश का ध्यान खींचा। इस मामले में संज्ञान लेते हुए देश की शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को इस बात की जांच करने के निर्देश दिए कि देश के विभिन्न इलाकों में बच्चों की लगातार लापता होने की घटनाओं में कहीं किसी देशव्यापी गिरोहों का हाथ तो नहीं है? संकट कितना बड़ा है यह इस बात से पता चलता है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में सारे देश से करीब आठ लाख लोग लापता हुए हैं, जिनमें अधिकांशत: बच्चे, महिलाएं और लड़कियां शामिल रही हैं। जाहिर तौर पर लापता लोगों का बढ़ता आंकड़ा कहीं न कहीं तंत्र की लापरवाही को ही उजागर करता है, जिसके चलते अपराधी-तत्व अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। इसी साल जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ दिल्ली से आठ सौ लोगों के लापता होने की खबरों ने देशवासियों की चिंताओं को बढ़ाया है। देशवासियों में इस बात को लेकर भी चिंता और नाराजगी है कि इस गंभीर आपराधिक संकट के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के समन्वय से कोई व्यापक अभियान क्यों नहीं चलाया जाता। विडंबना यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कोई प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जिससे यह पता चल सके कि राज्यवार कितने लोग वापस लौटे हैं और कितने लोग अभी भी गायब हैं। निश्चित रूप से इस संकट से निपटने के लिए एकीकृत राज्यवार ब्योरा उपलब्ध कराने की जरूरत है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि ने सुप्रीम कोर्ट में इस बात को स्वीकार किया है कि राज्यों से लापता बच्चों और उनसे जुड़े अभियोजन के अंतिम आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, यह पहली बार नहीं है कि शीर्ष अदालत ने लापता बच्चों के आंकड़े जुटाने को कहा हो। कोर्ट ने बीते साल दिसंबर में भी केंद्र सरकार से लापता बच्चों से जुड़े पिछले छह साल के देशव्यापी आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा था।

> " जाहिर तौर पर लापता लोगों का बढ़ता आंकड़ा कहीं न कहीं तंत्र की लापरवाही को ही उजागर करता है, जिसके चलते अपराधी-तत्व अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। इसी साल जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ दिल्ली से आठ सौ लोगों के लापता होने की खबरों ने देशवासियों की चिंताओं को बढ़ाया है। देशवासियों में इस बात को लेकर भी चिंता और नाराजगी है कि इस गंभीर आपराधिक संकट के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के समन्वय से कोई व्यापक अभियान क्यों नहीं चलाया जाता।

दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत राज्य के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके प्रामाणिक जानकारी जुटाने को कहा था। इतना ही नहीं, गुमशुदा बच्चों की तलाश के मामले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के भी निर्देश दिए गए थे। इस दिशा में अपेक्षित प्रगति का न होना हमारे तंत्र की व्यवस्थागत कमियों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से सारे देश से यदि लाखों लोगों के लापता होने के आंकड़े सामने आ रहे हैं, तो बहुत संभव है कि इसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा होगा। साथ ही यह भी पता लगाने की जरूरत है कि लापता लोगों के मामले में अपराधियों की कारगुजारियों में कहीं एकरूपता तो नहीं है। विगत में मानव तस्करी के मामले गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं, जिसमें लड़कियों को देह व्यापार के धंधे में धकेलने के भी आरोप लगते रहे हैं। लेकिन इस संकट का समाधान तभी संभव होगा जब देश के सभी राज्यों से प्रामाणिक आंकड़े जुटाए जाएंगे। उनके व्यापक अध्ययन से अपराध करने की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी। इसके साथ ही जरूरी है कि राज्य सरकारें भी अपने दायित्व को गंभीरता से निभाएं। इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त न की जाए। इसके अलावा निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। देश की कानून-व्यवस्था में भरोसा कायम करने के लिए इन घटनाओं को शासन-प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से लिया जाना भी जरूरी है। यहां इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय की तरफ से राज्यों में बच्चों की गुमशुदगी के आंकड़े दर्ज करने के लिए जो पोर्टल बनाया गया है, उसमें नियमित रूप से आंकड़े क्यों नहीं दर्ज किए जाते हैं। यह विडंबना है कि सरकारों को जिस दायित्व को अपने स्तर पर ईमानदारी से निभाने की जरूरत होती है, उसके लिये देश की शीर्ष अदालत को बार-बार याद दिलाना पड़ता है। नागरिकों को जागरूक करने के लिए भी सुरक्षा गाइड लाइन्स जारी करने की जरूरत है, जिससे लोग बच्चों की सुरक्षा के लिए सजग व सतर्क रह सकें।

अंडमानः प्रकाश, निस्तब्धता और अनंत नीलाई का आमंत्रण

रमेश जायभाये

कुछ यात्राएँ कैलेंडर में दर्ज छुट्टियाँ नहीं होतीं—वे जीवन की धड़कनों में उतरकर एक नई लय रच देती हैं। अंडमान द्वीपसमूह ऐसी ही एक अनुभूति है, जहाँ पहुँचते ही लगता है मानो समय ने स्वयं को धीमा कर लिया हो। जैसे ही विमान बादलों के आवरण को हटाता है, नीचे फैला समुद्र नीले रंगों की उस दुर्लभ छटा में दिखाई देता है, जिसे आँखें देखती हैं, पर शब्द पकड़ नहीं पाते। फिरोज़ी किनारे, नीलम-सी गहराइयाँ, और जल पर बिखरे पन्ना-से द्वीप—मानो प्रकृति ने अपने स्वप्नों की सबसे कोमल चित्रकला यहाँ उकेरी हो।

अंडमान के तट केवल रेत और लहरों का दृश्य नहीं, मन:स्थितियों का विस्तार हैं। स्वराज द्वीप का राधानगर बीच उस निर्मल सौंदर्य का प्रतीक है, जहाँ रेशमी श्वेत रेत पर सूर्य की सुनहरी किरणें उतरती हैं और समुद्र अपनी शांत, पारदर्शी लहरों से यात्रियों का स्वागत करता है। यहाँ चलना ऐसा लगता है जैसे किसी कविता के भीतर प्रवेश कर रहे हों—हर लहर एक पंक्ति, हर झोंका एक उपमा।

शहीद द्वीप का स्वभाव अलग है—यह द्वीप शांति का सौम्य विस्तार है। भरतपुर बीच की उथली, काँच-सी स्वच्छ लहरें, प्राकृतिक शिला-सेतु की अद्भुत संरचना, और हवा में घुली एक अव्यक्त निस्तब्धता—यहाँ प्रकृति धीरे-धीरे हृदय को खोलती है।

भीड़ से दूर, प्रकृति के अधिक अंतरंग स्पर्श की चाह हो तो लॉन्ग आइलैंड का लालाजी बे बीच किसी गुप्त स्वर्ग जैसा खुलता है—जहाँ न कोई कोलाहल, न कोई हड़बड़ी, केवल समुद्र और आत्मा का मौन संवाद। उत्तर अंडमान में रॉस और स्मिथ द्वीप का दृश्य विस्मित कर देता है। दो द्वीपों को जोड़ती रेत की पतली उजली रेखा—जैसे समुद्र ने स्वयं अपने विस्तार पर एक स्वप्निल हस्ताक्षर कर दिया हो। ज्वार-भाटा के साथ बदलता यह दृश्य हर बार नया चमत्कार बन जाता है। रोमांच के रंगों से भरा संसार देखना हो तो नॉर्थ बे द्वीप जल-क्रीड़ाओं का जीवंत मंच है। स्कूबा डाइविंग में जब आप जल के भीतर उतरते हैं, तब प्रवाल भित्तियों का रंगीन नगर खुलता है—लाल, पीले, बैंगनी प्रवाल, चंचल मछलियाँ, धीमे तैरते कछुए। वहाँ नीचे एक निस्तब्ध, पर जीवंत ब्रह्मांड है, जहाँ समय का अर्थ बदल जाता है।

जॉली बॉय द्वीप और रेड स्किन द्वीप की जल-पारदर्शिता प्रवालों को मानो काँच के आर-पार देखने जैसा अनुभव देती है। यहाँ समुद्र केवल देखा नहीं जाता—महसूस किया जाता है।

चिड़िया टापू की संध्या रंगों का उत्सव है। सूर्यास्त यहाँ केवल दृश्य नहीं, एक भावानुभूति है—अंबर से लालिमा, लालिमा से बैंगनी, और फिर धीरे-धीरे उतरती सांध्य निस्तब्धता।

वांडूर से मरीन नेशनल पार्क का संसार खुलता है—जहाँ समुद्री जैव-विविधता प्रकृति के संरक्षण और सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

लिटल अंडमान झरनों, सर्फिंग और शांत रोमांच का द्वीप है। डिगलीपुर, रंगत, और मायाबंदर—ये सभी द्वीप अंडमान के उस सरल, ग्रामीण, आत्मीय जीवन का परिचय कराते हैं जहाँ प्रकृति और मनुष्य एक संतुलित सहअस्तित्व में दिखाई देते हैं।

दूर समुद्र में बैरन आइलैंड—भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी—जल और अग्नि का विस्मयकारी संतुलन। अंडमान के द्वीपों की यह विविधता यात्रियों को केवल आकर्षित नहीं करती—मोहित कर लेती है।

वन, गुफाएँ और प्राचीन उपस्थिति

अंडमान का हृदय उसके वनों में धड़कता है। यहाँ के उष्णकटिबंधीय वर्षावन धरती की प्राचीन स्मृतियों का हरित अभिलेख हैं। वृक्ष यहाँ केवल खड़े नहीं, जैसे आकाश से संवाद करते हुए ऊपर उठते हैं। पत्तों के बीच छनकर आती धूप, हवा में घुली मिट्टी और नमी की सुगंध, और पक्षियों की मधुर पुकार—वन का प्रत्येक क्षण एक ध्यान, एक विश्राम, एक पुनर्जागरण है। मैंग्रोव वन अंडमान की जीवनरेखा हैं। उनकी जटिल जड़ें जल और भूमि के बीच अद्भुत संतुलन रचती हैं। नाव से इनके बीच गुजरना ऐसा लगता है जैसे किसी हरित, रहस्यमयी गलियारे में प्रवेश कर रहे हों—जहाँ प्रकृति की निस्तब्धता स्वयं एक संगीत बन जाती है। बारातांग द्वीप इस अनुभव को और गहन करता है। यहाँ की चूना-पत्थर (लाइमस्टोन) गुफाएँ प्रकृति की धीमी, धैर्यपूर्ण कला का साक्षात प्रमाण हैं। हजारों वर्षों में टपकती जल-बूँदों ने जिन स्तंभों और आकृतियों को गढ़ा है, वे किसी प्राचीन, निस्तब्ध मंदिर की अनुभूति कराते हैं। गुफा के भीतर शीतल हवा, टपकते जल की लय, और धुँधली रोशनी—मानो समय ने स्वयं को थाम लिया हो।

अंडमान की धरती केवल प्राकृतिक नहीं, सांस्कृतिक विरासत से भी संपन्न है। यहाँ के मूल जनजातीय समुदाय इस भूभाग की प्राचीन आत्मा हैं। जारवा समुदाय का जीवन प्रकृति के साथ गहरे सामंजस्य में बीतता है। उनके लिए वन संसाधन नहीं, संबंध हैं; भूमि अधिकार नहीं, अस्तित्व है। आधुनिक समाज के लिए यह आवश्यक है कि इन समुदायों की गरिमा, निजता और परंपराओं का सम्मान सर्वोपरि रहे। अंडमान की यात्रा तभी पूर्ण है जब हम उसके इस मानवीय आयाम के प्रति संवेदनशील रहें। वनों के भीतर चलना, पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों को देखना, जैव-विविधता की उस समृद्धि को अनुभव करना—यह सब अंडमान को केवल पर्यटन स्थल नहीं, एक जीवित प्राकृतिक विश्वविद्यालय बना देता है।

जीवन, श्रम, स्वाद और आनंद का अर्थ

अंडमान में समुद्र केवल सौंदर्य का विस्तार नहीं, जीवन का आधार है। मत्स्य पालन यहाँ की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का प्रमुख स्वर है। भोर की धुँधली उजास में समुद्र की ओर जाती नावें, लौटते जाल, और ताज़ी मछलियों की चमक—यह सब श्रम और प्रकृति के गहरे संबंध की कथा कहता है। नारियल के वृक्ष अंडमान की पहचान हैं। समुद्री हवा के साथ झूमते ये वृक्ष केवल दृश्य नहीं, आजीविका का आधार हैं। नारियल यहाँ भोजन, तेल, पेय, हस्तशिल्प और व्यापार—सभी का महत्वपूर्ण स्रोत है। गाँवों में नारियल की खेती जीवन की सहज लय रचती है। कुछ द्वीपों पर धान की खेती हरित विस्तार का सुंदर दृश्य प्रस्तुत करती है। वर्षा से भीगी मिट्टी, लहलहाते खेत, और किसानों का श्रम—यहाँ का ग्रामीण जीवन अंडमान के उस शांत, आत्मनिर्भर स्वरूप को दर्शाता है जहाँ प्रकृति और मनुष्य सहजीवन में बंधे हैं। पर्यटन यहाँ केवल दृश्यावलोकन नहीं, अनुभव है। समुद्र में स्कूबा डाइविंग, स्नॉर्कलिंग, सी-वॉक; तटों पर विश्राम; वन-पथों पर पदयात्रा; नावों से द्वीपों की यात्राएँ—हर गतिविधि आनंद का नया आयाम खोलती है। आतिथ्य यहाँ औपचारिक नहीं, आत्मीय है। समुद्र-समीप रिसॉर्ट्स, हरित कॉटेज, सरल होमस्टे—हर ठहराव में एक सहज ऊष्मा है। सुबह खारे पवन का स्पर्श, शाम लहरों की ध्वनि—विश्राम को भी एक काव्य बना देते हैं। अंडमान का स्वाद भी उसी प्रकृति का विस्तार है। ताज़ा समुद्री भोजन, नारियल-सुगंधित व्यंजन, उष्णकटिबंधीय फल—यहाँ भोजन केवल तृप्ति नहीं, समुद्र और मिट्टी का उत्सव है। और अंतत:, अंडमान सिखाता है आनंद का सच्चा अर्थ—बिना हड़बड़ी के जीना। तट पर शांत बैठना, सूर्यास्त को निहारना, वन की निस्तब्धता में खो जाना, जल में तैरना। यहाँ समय भागता नहीं—बहता है।

अंडमान एक स्मरण है—कि जीवन केवल गति नहीं, ठहराव भी है; केवल उपलब्धि नहीं, अनुभूति भी है। आइए अंडमान—जहाँ प्रकृति प्रदर्शन नहीं करती, आलिंगन देती है। जहाँ समुद्र केवल दृश्य नहीं, संवाद बन जाता है। जहाँ वन केवल हरियाली नहीं, शांति का आश्रय बन जाते हैं। और जहाँ यात्रा समाप्त नहीं होती—हृदय में बस जाती है।

उपनिदेशक पत्र सूचना कार्यालय
रायपुर, छत्तीसगढ़

धान प्रबंधन में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर का उभरता मॉडल

महेन्द्र सिंह

धान खरीदी विपणन वर्ष 2025-26 में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले ने धान उपार्जन और उठाव प्रक्रिया को जिस प्रभावी ढंग से संचालित किया है, वह केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था के बीच विश्वास निर्माण का महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आया है। छत्तीसगढ़ जैसे कृषि प्रधान राज्य में धान प्रबंधन की सफलता सीधे तौर पर किसानों की आय, ग्रामीण रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था की गति से जुड़ी होती है। ऐसे में जिले का यह अभियान प्रशासनिक योजना, संसाधन प्रबंधन और संवेदनशील नेतृत्व की समन्वित कार्यशैली को दर्शाता है।

प्रशासनिक रणनीति और क्रियान्वयन की प्रभावशीलता

इस वर्ष जिले के 19 हजार 58 किसानों से 8 लाख 79 हजार 848 क्विंटल से अधिक धान का उपार्जन किया गया, जो सरकारी खरीदी प्रणाली के प्रति बढ़ते विश्वास का

संकेत है। कुल खरीदी में से 3 लाख 6 हजार 170 क्विंटल धान का 34.84 प्रतिशत उठाव अब तक पूरा होना यह दर्शाता है कि प्रशासन ने खरीदी के साथ-साथ उठाव को भी समान प्राथमिकता दी है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि केवल लक्ष्य निर्धारित करना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग और सतत निगरानी भी उतनी ही आवश्यक होती है।

संसाधन प्रबंधन और परिवहन व्यवस्था का विश्लेषण

धान उठाव की प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती भंडारण और परिवहन प्रबंधन होती है। जिले में ट्रकों की समयबद्ध उपलब्धता, मिलों तक सीधी आपूर्ति और लोडिंगदृअनलोडिंग के लिए पर्याप्त श्रमिकों की तैनाती से उपार्जन केंद्रों पर दबाव कम हुआ है। यह मॉडल दिखाता है कि यदि लॉजिस्टिक प्रबंधन मजबूत हो, तो बड़े पैमाने पर कृषि उपज का संचालन भी सुचारू रूप से संभव है। डिजिटल मॉनिटरिंग और नियमित समीक्षा बैठकों ने निर्णय प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया है। राज्य स्तर पर स्पष्ट नीति और किसान-केंद्रित दृष्टिकोण ने जिले के अभियान को दिशा प्रदान की है। खरीदी से लेकर उठाव तक प्रत्येक चरण को समयबद्ध और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया, जिससे किसानों को भुगतान और मूल्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई। नेतृत्व की यह स्पष्टता प्रशासनिक तंत्र में जवाबदेही और कार्यक्षमता बढ़ाने का प्रमुख कारण बनी है।

चुनौतियां और समाधान की प्रक्रिया

हालांकि कुछ उपार्जन केंद्रों पर उठाव की गति अपेक्षाकृत धीमी रही, लेकिन प्रशासन ने इसे समस्या के रूप में स्वीकार करते हुए अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था, परिवहन मार्गों की निगरानी और श्रमिकों की संख्या में वृद्धि जैसे त्वरित निर्णय लिए। यह दर्शाता है कि अभियान केवल उपलब्धियों पर केंद्रित नहीं रहा, बल्कि चुनौतियों के समाधान को भी प्राथमिकता दी गई।

किसानों का विश्वास और सामाजिक प्रभाव

19 हजार से अधिक किसानों की सक्रिय भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि सरकारी व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। समय पर खरीदी और उठाव से किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। यह अभियान प्रशासन और किसान के बीच संवाद और सहयोग की नई मिसाल भी प्रस्तुत करता है।

आर्थिक प्रभाव और दीर्घकालिक महत्व

धान उठाव की तेज गति से मिलों में प्रसंस्करण कार्य शीघ्र प्रारंभ हुआ, जिससे स्थानीय रोजगार और ग्रामीण बाजारों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ीं। परिवहन और श्रमिक सेवाओं के माध्यम से भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिली है। दीर्घकालिक दृष्टि से यह मॉडल कृषि प्रबंधन को अधिक पेशेवर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का धान प्रबंधन अभियान यह स्पष्ट करता है कि मजबूत नीति, संवेदनशील नेतृत्व, प्रभावी संसाधन प्रबंधन और सतत मॉनिटरिंग के माध्यम से बड़े कृषि अभियानों को सफलतापूर्वक संचालित किया जा सकता है।

पेड़ों को जिंदा रखने की हरी-भरी तकनीक

रेनू जैन

कोयंबटूर की जनता ने तय कर लिया कि जब भी कोई ऐसी विकास परियोजना लागू होगी तो जद में आ रहे सारे पेड़ों को स्कूल, पार्क, मंदिर परिसर या किसी ग्रीन बफर ज़ोन में स्थानांतरित किया जाएगा। फलत: कुछ ही सालों में 5,000 पेड़ स्थानांतरित किए गए। इनमें 85 फीसद पेड़ लहलहा रहे हैं।

बेशक, हरियाली खुदा की सबसे बड़ी नेमतों में से एक है। इसी से जीवन में आशा, उमंग और ताज़गी जैसे भाव जागते हैं। सड़क चौड़ीकरण, हाईवे निर्माण या विकास की किसी दूसरी परियोजनाओं के लिए जब पेड़ रुकावट बन जाते हैं तो उन्हें काटने का दर्द अब हर नागरिक को समझ में आने लगा है। तमिलनाडु के कोयंबटूर शहर के लोगों को तब बहुत दुख हुआ जब सड़क चौड़ीकरण की वजह से 7,600 पेड़ों को खत्म कर दिया था। यह दुख इतना गहरा था कि वहां की कोयंबटूर की जनता ने तय कर लिया कि जब भी कोई ऐसी विकास परियोजना लागू होगी तो जद में आ रहे सारे पेड़ों को स्कूल, पार्क, मंदिर परिसर या किसी ग्रीन बफर ज़ोन में स्थानांतरित किया जाएगा। फलत: कुछ ही सालों में 5,000 पेड़ स्थानांतरित किए गए। सुखद परिणाम यह आया कि इनमें 85 फीसद पेड़ लहलहा रहे हैं यानी पेड़ों को नई जगह रास आ गई है। एक स्वचेतना अभियान यह भी सफल हो रहा कि लोगों ने अपने लिए एक नियम बनाया कि हर कटने वाले पेड़ के बदले लोग दस पौधे लगा रहे तथा उसकी देखभाल का जिम्मा भी खुद ही ले रहे।

इसी तरह पेड़ों को बचाने के कई छोटे-छोटे ही सही अभियान में लोगों की रुचि बढ़ती जा रही। पेड़ों के कटने से दुखी हैदराबाद के रामचंद्र अप्पारी ने भी ट्री ट्रांसलोकेटिंग तकनीक का इस्तेमाल किया तथा इसी तकनीक से वे हैदराबाद के करीब पांच हजार पेड़ों को नई जगह दे चुके हैं। उनकी कंपनी ग्रीन मॉर्निंग हॉर्टिकल्चर सन 2010 से काम कर रही है। वे कहते हैं वर्ष 2008 में हैदराबाद की सड़कों को चौड़ी करने के लिए पेड़ कटने लगे तब उन्हें बहुत दुख हुआ। तब ऑस्ट्रेलिया में रह रहे अपने दोस्त से पेड़ों को स्थानांतरित किए जाने के उपायों पर पूछा। बस तभी से अब अपनी कंपनी के मार्फत सात हजार से ज्यादा पेड़ों को नया

जीवन दे चुके हैं।

दरअसल, एक पेड़ को शिफ्ट करने की लागत दस हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक आती है। वर्ष 2010 में स्थापित उनकी कंपनी ग्रीन मॉर्निंग हॉर्टिकल्चर का टर्न ओवर लगातार बढ़ रहा है। वे कहते हैं हर शहर में प्रशासन को पेड़ों को स्थानांतरित करने के टेंडर निकालने चाहिए तथा इस तकनीक को बढ़ाना चाहिए। कम होते पेड़ों के लिए यह तकनीक वरदान साबित होगी। हैदराबाद के ही वट फाउंडेशन के प्रमुख पेडि रेड्डी वर्ष 2010 से पेड़ बचाने का काम कर रहे हैं। पेड़ों के प्रति इतना लगाव है कि अब तक करीब 2200 पेड़ों को नया जीवन दे चुके हैं।

नेचर जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार मानव सभ्यता की शुरुआत से मौजूदा पेड़ों की संख्या में अब तक 46 फ़ीसदी की कमी आ चुकी है। दुनियाभर में हर साल दस अरब पेड़ काटे जा रहे हैं जबकि हर साल सिर्फ पांच अरब पेड़ ही लगाए जा रहे है। चिंता की बात यह भी है कि हर दो सेकंड में एक फुटबॉल के मैदान जितना जंगल काटा जा रहा है। अकेले भारत में दस लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैले जंगल कट रहे हैं।

ग्लोबल वार्मिंग तथा प्रदूषण की मार झेलते शहरों के लिए पेड़ों की कमी भी जिम्मेदार है। हमारे शास्त्रों में भी लिखा गया है कि एक पेड़ लगाना सौ गायों का दान देने के समान है। पद्मपुराण में जिक्र है कि जलाशय के निकट पीपल का पेड़ लगाने से व्यक्ति को सैकड़ों यज्ञों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि पेड़ों की कतार धूल मिट्टी को 75 फीसद तक कम कर देती है और 50 फीसदी तक शोर को कम करती है। जो इलाका पेड़ों से घिरा होता है वह दूसरे दूसरे इलाकों की तुलना में 9 डिग्री ठंडा रहता है। वहां का एक पेड़ इतनी ठंडक पैदा करता है जितना एक एसी दस कमरों में 20 घंटों तक चलने पर करता है।

कम होते पेड़ों की वजह से कई दुष्प्रभाव होते हैं, जिसमें प्राकृतिक बाधाएं भी शामिल हैं। वनों की कटाई की वजह से भूमि का क्षरण होता है क्योंकि वृक्ष पहाड़ियों की सतह को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वनों के विनाश के कारण वन्यजीव खत्म हो रहे हैं। पेड़ों की कई प्रजातियां लुप्त होने की कगार पर हैं तथा कुछ तो लुप्त हो गई हैं। वनों की कटाई से वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है। बारिश भी अनियमित हो जाती है। इन सबके कारण 'ग्लोबल वार्मिंग' में इजाफा होता है। रेगिस्तान फैल रहा है। नदियों का पानी उथला कम, गहरा तथा प्रदूषित हो रहा है क्योंकि उनके किनारों और पहाड़ों पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। जंगल के लिए आदिवासियों का अस्तित्व आवश्यक है। जंगल का उपयोग कैसे करना है आदिवासियों को इसकी पूरी जानकारी रहती है क्योंकि वन संरक्षण के प्रति उनके मन में गहरा सम्मान होता है। पौधारोपण की कमी के कारण इस अनमोल प्राकृतिक संपत्ति का तेजी से क्षरण हो रहा है, जो जीवन और पर्यावरण के संतुलन को खराब कर रहा है। जंगल की कटाई के कारण जंगली जानवर गांवों में शरण ले रहे हैं।

जोधपुर के खेजडली गांव में 230 वर्ष पूर्व 363 लोगों ने पेड़ों को बचाने के लिए अपनी जान तक दे दी थी। तब से लेकर आज तक उस गांव में बलिदान दिवस मनाया जाता है। इसके तहत वहां मेला लगता है, जिसमें विश्नोई समाज के हजारों लोग शिरकत करते हैं तथा बलिदानियों को श्रद्धांजलि देते हैं।

वैसे भारत में कुछ साल पहले 'चिपको आंदोलन' काफी चर्चित हुआ था, जिसके अगुवा सुंदरलाल बहुगुणा थे। दरअसल, यह आंदोलन इसलिए प्रारम्भ किया गया था कि भारत के उत्तरी क्षेत्र में सरकार ने पेड़ों की अंधाधुंध कटाई प्रारम्भ कर दी थी।

अब भी बहुत कुछ कह रही हैं किताबें

सहीराम

किताबें सचमुच बहुत कुछ कहना चाहती हैं बशर्ते वे काट-छांटवाली क्लिप्स बनकर न रह जाए। नहीं क्या? वैसे तो जी देखो, यह नया भारत है। इसमें पुराने भारत वाली कोई चीज़ चलती नहीं। लेकिन कुछ कहावतें ऐसी हैं, जो इस नए भारत में भी चल रही हैं। जैसे एक कहावत है कि बिन मांगे मोती मिले, मांगे मिले न भीख। नहीं भीख, भूख की बात नहीं है। अब तो देश की वित्त मंत्री ही भूख की बात नहीं मान रही, तो हम यह बेकार की बात क्यों करें। हम तो कहावत की बात कर रहे हैं और यह कहावत भी इसलिए याद आ गयी कि पिछले दिनों दिल्ली में जब विश्व पुस्तक मेला चल रहा था तो लोग यह शिकायत करते पाए गए कि किताबों को कोई नहीं पूछ रहा। लेखक, प्रकाशक सब बेचारे परेशान थे। रहे पाठक, तो जी जब दर्शक ही सिनेमाघरों तक नहीं पहुंच रहे तो पाठक ही किताबों तक कैसे पहुंचेंगे बताओ।

बताते हैं कि दर्शक तो टीवी चैनलों तक को न मिल रहे, तो किताबों को ही पाठक कहां से मिल जाएंगे। लेकिन फिर वही हुआ जी, कहावत वाला मामला कि बिन मांगे मोती मिले और मांगे मिले न भीख। जहां विश्व पुस्तक मेले में किताबों को कोई नहीं पूछ रहा था, वही संसद में उनकी इतनी पूछ हुई कि बस पूछो ही मत। वरना तो जी राज्य विधानसभाओं में तो आमतौर पर हमारे चुने हुए प्रतिनिधि वो वाले आपत्तिजनक वीडियो देखते हुए ही पाए जाते रहे हैं। लेकिन अच्छी बात यह रही कि देश की संसद में यह भी और वो भी किताबों की बात करते हुए पाए गए। किताब इनके हाथ में भी थी और किताब उनके हाथ में भी थी। यह भी अपने भाषण में किताबों को ही उद्धृत करना चाहते थे और वे भी अपने भाषण में किताबों को ही उद्धृत कर रहे थे। एक जमाने में सफ्दर की वो कविता बड़ी मकबूल हुई थी जी कि किताबें कुछ कहना चाहती हैं, तुम्हारे पास रहना चाहती हैं। लगता है कि किताबें आज भी बहुत कुछ कहना चाहती हैं। अगर कुछ नई बातें कहना चाहती हैं तो कुछ पुरानी बातों को दोहराना चाहती हैं। वरना तो टीवी एंकरों की चीख-चिल्लाहट ऐसी है कि हमेशा यही शिकायत रहती है कि कायदे की कोई बात होती ही नहीं।

ऐसे में समस्या बस एक ही है कि कहीं किताबों के उद्धरण भी अपनी-अपनी पार्टियों के आईटी सेलों द्वारा संदर्भों से काटकर डाली जाने वाली वो काट-छांटवाली क्लिपें बनकर ही न रह जाए, जिनका किसी तरह के गंभीर विमर्श से कोई लेना-देना नहीं होता है। वे सिर्फ टांग खिंचाई के लिए, एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने के लिए और एक-दूसरे की खिल्ली उड़ाने के लिए ही होती हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रमुख खबरें

महाशिवरात्रि पर मांस बिक्री बंद, उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई

दुर्ग। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम, दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत संचालित समस्त पशु वध गृह एवं मांस बिक्री की दुकानें दिनांक 15 फरवरी 2026, दिन रविवार को महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर पूर्णतः बंद रखी जाएंगी। इस संबंध में निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा विधिवत आदेश जारी कर संबंधित संचालकों को सूचित कर दिया गया है। उल्लंघन पाए जाने पर सामग्री जब्त कर जुर्माना लगाया जाएगा।

भाजपा के पूर्व पार्षद परमजीत सिंह लाडी का निधन

भिलाई। पूर्व पार्षद परमजीत सिंह लाडी का 53 वर्ष की आयु में आज निधन हो गया। उन्हें एम्स में भर्ती किया गया था जहां शनिवार सुबह उन्होंने अंतिम सांसें लीं। उनकी अंतिम यात्रा 101 वैशाली नगर से 15 फरवरी दिन रविवार को दोपहर 1 बजे राम नगर मुक्तिधाम हेतु निकलेगी वे पूर्व पार्षद हरप्रीत कौर के पति एंव रिंकू के भाई, दरवंश सिंह एवं डॉक्टर बबलिन कौर के पिता थे।

राजस्व निरीक्षक नारायण सिंह यादव हुए पदोन्नत

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग में आयुक्त सुमित अग्रवाल के अधिकारिता के अधीन विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति की अनुशंसा पर राजस्व निरीक्षक नारायण सिंह यादव को पदोन्नत कर सहायक राजस्व अधिकारी के पद पर वेतनमान 9300-34800 ग्रेड पे 4200 (मेट्रिक्स लेवल 08, 35400-112400) में पदस्थ किया गया है। श्री यादव को आदेश जारी होने की तिथि से 15 दिवस के भीतर पदोन्नत पद पर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा।

रक्त दान जीवन का सबसे बड़ा दान : ललित चंद्राकर

दुर्ग। माँ कर्मा भवन, सुपेला भिलाई में रेड ड्राप फ्रेंड्स क्लब द्वारा आयोजित 13वें स्थापना दिवस सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया तथा प्रदेश स्तरीय रक्तमित्रों एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित हुए और रक्तमित्रों और सामाजिक संस्थाओं को प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र और हेल्मेट प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा दान है।

पुलिस वाहन चालकों का विशेष स्वास्थ्य परीक्षण

दुर्ग। रक्षित केन्द्र, दुर्ग के प्रशासनिक भवन स्थित दधीचि प्रशिक्षण हॉल में गुरूवार को पुलिस वाहन चालकों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 116 चालकों का नेत्र परीक्षण, बीपी एवं शुगर जांच की गई।

पूरी हुई जगदीश चंद्र उजाला की अंतिम इच्छा, मरणोपरांत पूरा किया गया नेत्रदान का संकल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। संतराबाड़ी निवासी श्री जगदीश चंद्र उजाला के निधन के पश्चात उनकी पत्नी राम कुंवर, पुत्र रुपेश, खेमचंद एवं बहु सपना व गायत्री की सहमति से उनका नेत्रदान का संकल्प पूरा हुआ।

श्री जगदीश चंद्र उजाला के निधन का समाचार मिलते ही संस्था के राज आढ़तिया, कुलवंत भाटिया, राजेश पारख, मंगल अग्रवाल मध्य रात्रि उजाला भवन पहुंचे व नेत्रदान हेतु व्यवस्था संभाली। श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज के डॉ संदीप बचकर डॉ लीजन व नेत्र प्रभारी विवेक कसार बंसल निवास से कॉर्निया कलेक्ट किए, विवेक कसार ने बंसल उजाला परिवार को नेत्रदान हेतु साधुवाद दिया

प्रभुदयाल उजाला ने कहा संस्था से जुड़े होने के कारण हम रोज लोगों की परेशानी देखते हैं व अंधत्व का दुःख महसूस करते हैं अतः हमारे परिवार ने वही किया जिसके लिए हम दूसरों को प्रेरणा देते हैं चाचाजी के जाने के बाद हमारे चाचाजी के नेत्रों से दो परिवारों को नई ज्योति मिलेगी।

यह हमारे परिवार की ओर से पहला नेत्रदान है और चाचाजी से प्रेरणा ले अब हम इसे अपने परिवार की परम्परा बनाएंगे। रुपेश उजाला ने कहा पिता के जाने से पुरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया। इस दुःख की घड़ी में पिता के नेत्रदान कर हमने समाज के प्रति अपना कर्तव्य पूर्ण किया।

फाउंडेशन के सदस्य राजेश पारख ने कहा प्रभुदयाल उजाला हमारी संस्था के सक्रीय सदस्य हैं और समय समय पर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं और आज चाचा के नेत्रदान कर उन्होंने साबित किया कि किसी कार्य में जब हम दूसरों को प्रेरित करते हैं तो शुरुवात अपने परिवार से करनी होगी और समाज को उन्होंने राह दिखाई जिसका अनुसरण हम सब को करना होगा।

नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बल्लेवार, कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी, मुकेश आढ़तिया, हरमन दुलई, रितेश जैन, राजेश पारख, जितेंद्र हासवानी, मंगल अग्रवाल, किरण भंडारी, उज्जवल पींचा, आदि उपस्थित थे।

आबादी भूमि पर कब्जा करने वालों की सूची बन रही, पीएम आवास में किए जाएंगे शिफ्ट

भिलाई नगर निगम की पात्र हितग्राहियों से अपील, योजना का लाभ उठाएं और बेघर होने से बचें

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन, महानदी भवन अटल नगर, नवा रायपुर द्वारा निकाय के आबादी (प्रचलित/सुरक्षित) भूमि पर काबिज हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के बीएलसी घटक में सम्मिलित करने आदेशित किया गया है।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा निम्नानुसार अधिकारियों का परीक्षण समिति गठित किये है। जिसमें उपायुक्त आवास योजना शहरी प्रभारी अधिकारी को अध्यक्ष, प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी को सदस्य, संबंधित जोन आयुक्त को सदस्य, भवन अनुज्ञा अधिकारी को सदस्य एवं राजस्व अधिकारी को सचिव बनाया गया है।

समिति द्वारा समय-समय पर बैठक आहूत कर वार्डवार पात्र हितग्राहियों की सूचीयों को अनुशंसा कर अंतिम रूप देगें तथा उक्त समिति के सभी सदस्य समय-समय पर शासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना है। जिसके लिए जोनवार सर्वेक्षण दल गठित कर वर्तमान में सर्वेक्षण दल द्वारा वार्डवार आबादी भूमि में निवासरत आवेदको का सर्वे किया जा रहा है।

आयुक्त ने दिए निर्देश

- जोनवार सर्वे समितियां गठित
- निर्माण की सटीक जानकारी मिलेगी

भिलाई में आबादी भूमि में निवासरत पात्र हितग्राहियो से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा व्यक्ति इस योजना का लाभ अवश्य उठाए और पक्का मकान का सपना पूरा करे। अधिक जानकारी के लिए प्रधानमंत्री निगम आयुक्त ने किया जोन-5 का औचक निरीक्षण

जोन-5 का औचक निरीक्षण

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-5 अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उद्यानों के संधारण, वाटर एटीएम की स्थिति और प्रस्तावित निर्माण कार्यों का जायजा लिया। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े सभी प्रस्तावित कार्य समय-सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ प्रारंभ किए जाएं। आयुक्त ने सेक्टर 6 एचएससीएल उद्यान का अवलोकन करते हुए पेवर ब्लॉक के संधारण, मिट्टी के समतलीकरण के निर्देश दिए। साथ ही, वृक्षों की झुकी हुई डालियों की छंटाई के निर्देश दिए। सड़क 85-86 स्थित वाटर एटीएम के निरीक्षण के दौरान इसे सुचारू पाया गया। आयुक्त ने कहा कि ग्रीष्मऋतु के आगमन से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि नागरिकों को निरंतर शुद्ध एवं ठंडे पेयजल की सुविधा मिलती रहे। सेक्टर-6 में विधायक निधि से स्वीकृत राशि से भवन निर्माण का कार्य प्रस्तावित है। आयुक्त ने उप-अभियंता को नियमानुसार तकनीकी प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए।

ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट पर निगम ने साफ की वस्तुस्थिति

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम शहरवासियों के मनोरंजन, सुविधा एवं पर्यटन विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। ठगड़ा बांध के सौंदर्यीकरण एवं संचालन को लेकर हाल ही में प्रकाशित समाचारों के संदर्भ में निगम ने स्पष्टीकरण जारी किया है।

ठगड़ा बांध का सौंदर्यीकरण दुर्ग शहर के लिए एक सिग्नेचर प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य शहरवासियों को अपने ही शहर में सुरक्षित, स्वच्छ एवं प्राकृतिक वातावरण में पिकनिक एवं मनोरंजन की सुविधा उपलब्ध कराना है।

ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी पूर्णतः पारदर्शी निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के माध्यम से एक निजी एजेंसी को सौंपी गई है।

इसका मुख्य उद्देश्य परिसर की नियमित साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, हरियाली का संरक्षण तथा आगंतुकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

साथ ही एजेंसी द्वारा नगर निगम को वार्षिक प्रीमियम का भुगतान किया जा रहा है, जिससे निगम के राजस्व में वृद्धि हो रही है और उक्त राशि का उपयोग अन्य जनहित कार्यों में किया जाएगा।

ठगड़ा बांध परिसर में लिया जा रहा 10 का नाम मात्र प्रवेश शुल्क सुरक्षा व्यवस्था, बागवानी के रखरखाव, लाइटिंग, पौधारोपण एवं नियमित साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने हेतु लिया जाता है।

इससे सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित होती है तथा असामाजिक गतिविधियों पर भी प्रभावी नियंत्रण रहता है। ठगड़ा बांध पिकनिक में पार्किंग शुल्क नहीं लिया जाता है। गहरीकरण से निकली मुरुम एवं अन्य सामग्रियों के निष्पादन में सभी नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन किया गया है।

शतरंज की नई पीढ़ी को तैयार कर रहे अलंकार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी केवल इस्पात उत्पादन तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि खेल, प्रतिभा और युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी उसकी भूमिका सदैव उल्लेखनीय रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र के सहायक महाप्रबंधक (नंदिनी माईन्स) एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त शतरंज व्यक्तित्व अलंकार भिवगड़े आज छत्तीसगढ़ में शतरंज की एक नई और सशक्त पीढ़ी को आकार दे रहे हैं।

अलंकार भिवगड़े छत्तीसगढ़ के पहले ऐसे शतरंज विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्बिटर के रूप में प्रदेश को पहचान दिलाई है। उन्हें वर्ष 2016 में फिडे ऑर्बिटर, 2018 में फिडे इंस्ट्रक्टर तथा 2019 में इंटरनेशनल ऑर्बिटर का प्रतिष्ठित खिताब प्राप्त हुआ। उन्होंने अज़रबैजान (बाकू), कजाकिस्तान (अस्ताना) सहित अनेक देशों में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभाई है। वर्ल्ड चेस ओलंपियाड, वर्ल्ड यूथ चेस ओलंपियाड, कॉमनवेल्थ चेस चैंपियनशिप जैसे वैश्विक मंचों पर उनकी उपस्थिति ने न केवल उनकी व्यक्तिगत क्षमता को प्रमाणित किया, बल्कि छत्तीसगढ़ को भी विश्व शतरंज मानचित्र पर स्थापित किया। उनकी फिडे इंटरनेशनल रेटिंग 2152 है; जो उन्हें विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त शतरंज विशेषज्ञों की श्रेणी में स्थान देती है।

वर्ष 2016 से भिलाई चेस क्लब के माध्यम से अलंकार भिवगड़े भिलाई एवं छत्तीसगढ़ के बच्चों को नियमित रूप से शतरंज प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। यह चेस क्लब भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा प्रायोजित है, जिसके सहयोग से ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविरों सहित वर्षभर कोचिंग गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं। इन शिविरों में बच्चे केवल खेल की तकनीक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक सोच, धैर्य, अनुशासन और निर्णय क्षमता जैसे जीवनोपयोगी गुण भी विकसित कर रहे हैं।

अलंकार भिवगड़े वर्ष 2007 में भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़े, और इसके पश्चात उनकी खेल यात्रा को संयंत्र प्रबंधन का निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहा।

वित्तीय स्थिति ठीक करने के लिए भिलाई निगम आयुक्त ने दिए राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार कक्ष में गुरुवार को निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में निगम की आय में वृद्धि के उपायों और शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

राजस्व वसूली पर विशेष जोर देते हुए आयुक्त ने निकाय की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु संपत्तिकर, समेकित कर, जलकर, निर्यात कर और दुकानों के किराए की वसूली को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही विज्ञापन होर्डिंग्स, पार्किंग, यूजर चार्ज और भवन भूखंडों से प्राप्त होने वाली आय की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को फील्ड स्तर पर सक्रिय होकर कार्य करने को कहा। अधिकारी एवं कर्मचारी केवल कार्यालय तक सीमित न रहें, बल्कि फील्ड में उतरकर कार्यों की निगरानी और वसूली सुनिश्चित करें। कर्मचारियों के वेतन भुगतान और विद्युत देयकों के समय पर निपटान के संबंध में आवश्यक चर्चा की गई। योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया है। 15वें वित्त आयोग, अधोसंरचना मद, नालंदा परिसर और नगरोत्थान जैसी योजनाओं के तहत स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

नागरिकों के लिए निर्बाध पेयजल आपूर्ति और मंत्री जी की घोषणाओं से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया।

लोक कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन और गोधाम योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। आयुक्त ने मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, ऑनलाइन संपत्तिकर भुगतान की सुविधा और मुक्तिधामों के रखरखाव जैसे विषयों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा।

बीएसपी की 'सेल शाबाश योजना'; 15 चिकित्सा कर्मचारी सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय कुमार के नेतृत्व में कर्मचारी प्रोत्साहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरक पहल के रूप में 'सेल शाबाश योजना' के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 2023 में इस योजना की शुरुआत के पश्चात यह प्रथम अवसर है जब इसे चिकित्सा विभाग में प्रभावी रूप से लागू किया गया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन, कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण का परिचय देने वाले 15 अनुकरणीय कार्यपालक एवं गैर-कार्यपालक कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार ने कहा कि यह पहल स्वास्थ्य सेवा के उच्च मानकों को प्रोत्साहित करने तथा उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में सेल की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की मान्यता कर्मचारियों को उत्कृष्टता एवं व्यावसायिक गौरव की ओर प्रेरित करती है।

श्रेणी- 1 के अंतर्गत सम्मानित कर्मचारियों चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शेख आर. इलाही, चिकित्सा अधिकारी डॉ. सिरिकी धीरज, सहायक प्रबंधक सुनीता साहू, स्टाफनर्स संदीप कुमार, स्टाफ नर्स शोभना नायर, जूनियर एमटी पीआर जयभास्कर, एमटीए बलराम साहू, जूनियर स्टाफ नर्स दीनदयाल जोगी, एमटीए शिव कुमार तथा एच.ए. मकसूदन सम्मिलित रहे।

श्रेणी-2 के अंतर्गत उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एमके डहरवाल, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तनुजा आनंद, उप प्रबंधक बीएच वेंकट नरसिम्हम, स्टाफ एसोसिएट दीपक उपलांचीवार तथा एम.ओसीटी डी. जगपति राव को सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त 'कार्मिक विवाह उपहार योजना' के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार द्वारा नवविवाहित कर्मचारियों—डॉ. लोचन कुमार साहू, डॉ. सुलभ साहू तथा अमित कुमार मीणा (जूनियर स्टाफ नर्स) को वैवाहिक उपहार प्रदान किए गए। विशेष सम्मान के अंतर्गत गणतंत्र दिवस समारोह में उत्कृष्ट प्रस्तुति हेतु डॉ. अनिरुद्ध मेने को शॉल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) शाहिद अहमद, विभिन्न विभागाध्यक्षगण, डॉ. अनिरुद्ध मेने, डॉ. संतोष नशीने, शैला अब्राहम (डिप्टी मैनेजर, नर्सिंग प्रशासन) तथा शीबा थॉमस (एचआर-मेडिकल) सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रयास से दुर्ग को मिला पहला फोरलेन

दुर्ग। शहर के विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए दुर्ग शहर के भीतर पहली फोरलेन सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। 267.89 लाख की लागत से धमधा-बेमेतरा अंडरब्रिज से अग्रसेन चौक तक लगभग 480 मीटर लंबी फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में यातायात को सुगम बनाने 5 स्थान पर फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाना है जिसके अंतर्गत पहले फोरलेन सड़क का आज भूमिपूजन किया गया। भाजपा सरकार शहर के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। दुर्ग की जनता का भाजपा के प्रति स्नेह, विश्वास और सहयोग ही दुर्ग शहर को निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर कर रहा है।

खास खबर

पीएम जनमन आवास योजना से जगदीश बैगा के पक्के घर का सपना हुआ साकार

रायपुर। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत विकासखण्ड गौरेला के ग्राम पंचायत अंधियारखोह के जगदीश बैगा के पक्के घर का सपना साकार हो गया है। उन्हें वर्ष 2023-24 में पक्के आवास की स्वीकृति प्रदान की गई थी। योजना से पूर्व जगदीश बैगा अपने परिवार सहित कच्चे मकान में निवास कर रहे थे। कच्चे मकान में रहने के दौरान उन्हें जंगली कीड़े-मकोड़े, सांप, बिच्छू आदि का खतरा हमेशा सताते रहता था। बरसात के मौसम में छत से पानी टपकने के कारण परिवार को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सीमित आय के कारण पक्के मकान का निर्माण उनके लिए केवल एक सपना मात्र था। शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवास निर्माण से जगदीश बैगा के जीवन में बड़ा बदलाव आया। अब जगदीश अपने परिवार के साथ पक्के आवास में सुरक्षित और सम्मान के साथ निवास कर रहे हैं। पीएम जनमन आवास जगदीश बैगा जैसे जरूरतमंद परिवारों के लिए जीवन स्तर में सुधार का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रहा है।

सौर सुजला योजना से आत्म निर्भरता की ओर मजबूत कदम

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की किसान हितैषी योजनाएँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सौर सुजला योजना के माध्यम से सक्ती जिले के विकासखंड डभरा अंतर्गत ग्राम सकराली के किसान अवध राम के जीवन में सुखद परिवर्तन आया है। क्रेडा विभाग के माध्यम से उनके खेत में 3 एच.पी. क्षमता का सोलर सिंचाई पंप स्थापित किया गया। सोलर पंप की स्थापना से पूर्व वे डीजल पंप से सिंचाई करते थे, जिससे एक एकड़ भूमि की सिंचाई पर लगभग 10 हजार रुपये तक का व्यय होता था। डीजल की बढ़ती कीमत और पंप की अनियमितता के कारण वे वर्ष में केवल एक ही फसल ले पाते थे, जिससे आय सीमित रहती थी। योजना के अंतर्गत मात्र 10 हजार रुपये के अंशदान पर सोलर पंप स्थापित होने से डीजल पर होने वाला खर्च पूर्णतः समाप्त हो गया तथा सिंचाई की सुविधा नियमित और सुगम हो गई। परिणामस्वरूप अब वे वर्ष में दो फसल लेने में सक्षम हो गए हैं। वर्तमान में श्री अवध राम एक एकड़ भूमि में आलू एवं गेहूं तथा 40 डिसमिल भूमि में परवल की खेती कर रहे हैं, जिससे लगभग 90 हजार रुपये का लाभ होने की संभावना है।

कोंडागांव एवं फरसगांव में एक दिवसीय अग्नि सुरक्षा कार्यशाला आयोजित

रायपुर। वन विकास निगम, जगदलपुर द्वारा 11 फरवरी को कोंडागांव एवं फरसगांव क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय अग्नि सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य वन अग्नि से बचाव, सुरक्षा उपायों की जानकारी तथा आग लगने की स्थिति में त्वरित और सही कार्रवाई के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। अधिकारियों ने बताया कि वन में आग लगने के प्रमुख कारणों में जलती हुई बीड़ी-सिगरेट को लापरवाही से फेंक देना, तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान वृक्षों के नीचे आग लगाकर छोड़ देना तथा अन्य मानवीय असावधानियां शामिल हैं। इन घटनाओं को रोकने के प्रभावी उपायों की भी विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान कंट्रोल्ड बर्निंग (नियंत्रित आग) का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया।

धान के बदले धनिया की खेती की ओर किसानों का रुझान, उद्यानिकी विभाग दे रहा प्रोत्साहन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में राजनांदगांव जिले के ग्राम जंगलेसर के किसान दौलतराम साहू ने 2.5 एकड़ कृषि भूमि में धनिया की फसल लगाकर नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय पहल की है।

श्री साहू ने बताया कि उन्हें उद्यानिकी विभाग से तकनीकी मार्गदर्शन एवं 20 किलोग्राम धनिया बीज उपलब्ध कराया गया। फसल चक्र परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए उन्होंने यह निर्णय लिया, जिससे भूमि की उर्वरक क्षमता में वृद्धि के साथ उत्पादन लागत में कमी संभव हो सके।

उन्होंने बताया कि धनिया की खेती में धान की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है, रोगों का प्रकोप कम होता है तथा लागत अपेक्षाकृत कम आती है। मार्च-अप्रैल माह में फल धनिया से आय प्राप्त होने की संभावना है, जिससे अतिरिक्त लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनने में सहायता मिल रही है। धान की परंपरागत खेती की तुलना में अन्य फसलों से बेहतर आय प्राप्त हो रही है। शासन द्वारा चना, सरसों एवं अन्य फसलों की खरीदी की घोषणा से भी किसानों को लाभ मिलेगा और वे वैकल्पिक फसलों की ओर प्रेरित होंगे।

श्री साहू ने यह भी उल्लेख किया कि राज्य सरकार द्वारा मंत्रीपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से अंतर की राशि का एकमुश्त भुगतान होली पर्व से पूर्व किया जाएगा। उन्होंने इसे किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा फसल विविधीकरण, जल संरक्षण तथा आयवृद्धि को ध्यान में रखते हुए किसानों को उद्यानिकी फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे कृषि क्षेत्र में स्थायी एवं संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके।

नए आपराधिक कानूनों के प्रयोग से पुलिस प्रक्रिया हुई तीव्र एवं आसानः विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने शुक्रवार को गृह एवं जेल विभाग की उपलब्धियों के संबंध में नया रायपुर स्थित संवाद ऑडिटोरियम में पत्रकारों से चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार बनने के साथ ही हम एक नई सोच को लेकर कार्य कर रहे हैं। राज्य की क्षमता में विस्तार के लिए नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन अन्तर्गत आइसीजेएस के तहत पांचों स्तंभों पुलिस, अभियोजन, फरेंसिक, जेल एवं न्यायालय को एकीकृत करने की प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ राज्य अग्रणी है। दुर्ग एवं बिलासपुर जिले पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर पांचों पिलर्स को एकीकृत कर एक मॉडल जिले के रूप में उभर कर सामने आये हैं। पहले पुलिस को साक्ष्यों को लेकर कई बार समास्याओं का सामना करना पड़ता था अब ई- साक्ष्य के आने से तुरंत साक्ष्य उपलब्ध हो रहे हैं। जिससे पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ा है।

गृह मंत्री शर्मा ने बताया कि पुलिस कार्यों के आधुनिकीकरण के लिए सीसीटीएनएस द्वारा मेडलीपार, ई-साक्ष्य, ई -सम्मन, ऑनलाइन एफआईआर, ई- साइन, ई- कोर्ट, ई-श्रुति के द्वारा कार्यों को त्वरित और आसान बनाया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को न्याय प्राप्ति में आसानी होगी। पुलिस कर्मियों के लिए अब तक किसी प्रकार की बीमा की व्यवस्था नहीं थी, जिस पर ध्यान देते हुए सरकार द्वारा 08 बैंकों के साथ एमओयू कर बिना किसी प्रीमियम के सैलरी अकाउंट पर बीमा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, इसका लाभ छत्तीसगढ़ पुलिस के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्राप्त हो रहा है।

गौवंश वध, परिवहन एवं व्यापार की रोकथाम

गृह मंत्री शर्मा ने बताया कि प्रदेश में गौवंश वध, परिवहन एवं व्यापार की रोकथाम हेतु पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है, जिसमें गौवंश वध, परिवहन एवं व्यापार के प्रकरण दर्ज कर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इनमें प्रयुक्त वाहनों को जप्त कर 142 वाहनों को राजसात कर 27 वाहनों की नीलामी भी की जा चुकी है। देश में पहली बार गौवंश वध, परिवहन एवं व्यापार के आदतन आरोपियों की सूची बनाई गई है और उनपर गैंगस्टर अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 19 पर निगरानी भी खोलकर सतत् निगरानी की जा रही है।

राज्य में नशे के व्यापार के विरूद्ध सख्त कार्रवाई

श्री शर्मा ने बताया कि राज्य में नशे के व्यापार के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत लगातार कार्य किया जा रहा है। आदतन आरोपी के विरूद्ध निरोधक आदेश जारी कर एनडीपीएसए के वित्तीय जांच कर नशे के व्यापारियों की वित्तीय आधार खत्म करने के लिए उनकी सम्पत्ति जब्त कर उसे नीलाम करने का भी कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही गांजा, नशीली दवाइयों, एमडीएमए, हेरोईन, ब्राउन शुगर, डोडा को नष्टीकरण करने का कार्य किया गया है एवं संलग्न वाहनों की नीलामी भी की जा रही है।

अवैध प्रवासियों की पहचान कर विशेष टास्क फोर्स का गठन

गृह मंत्री शर्मा ने बताया कि अवैध प्रवासियों पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने बताया कि राज्य में टोल फ्री नम्बर जारी कर अवैध प्रवासियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए अवैध प्रवासियों की पहचान कर विशेष टास्क फोर्स का गठन द्वारा उनकी गिरफ्तारी एवं विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत उन पर कार्रवाई करते हुए 34 लोगों को देश से निष्कासित करने का भी कार्य किया गया है। विचाराधीन लोगों के लिए होल्डिंग सेंटर भी बनाये गए हैं जहां उनकी जांच कर नियमानुसार प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा एंटी टेररिस्ट स्क्वाड को भी क्रियाशील करने का कार्य किया है जहां बनने के बाद से अब तक इसमें कोई केस दर्ज नहीं हुआ था वर्ष 2025 में इसके द्वारा पहली बार कार्रवाई की गई थी। उन्होंने बताया कि धर्मांतरण के मामलों पर सरकार विशेष ध्यान देते हुए इन्हें रोकने के लिए संलग्न लोगों पर कार्रवाई कर रही है सरकार बनने के 23 वर्षों में जितने मामले दर्ज हुए थे उससे दोगुने मामले पिछले 2 वर्षों में दर्ज किए गए हैं।

सरस्वती सायकल योजनाः अब आसान हुई अदिति की शिक्षा की राह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सरकार की सरस्वती सायकल योजना छात्राओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव की सशक्त मिसाल बन रही है। इसी योजना के अंतर्गत शासकीय कन्या स्कूल, मुंगेली की कक्षा नवमी की छात्रा अदिति कुर्रे को निःशुल्क सायकल प्रदान की गई, जिसने उसकी पढ़ाई की राह को आसान और सुरक्षित बना दिया। घर से स्कूल की दूरी अधिक होने के कारण अदिति कुर्रे को रोज़ाना आना-जाना कठिन हो गया था। समय की कमी, थकान और रास्ते की परेशानियों के चलते उनके मन में कई बार पढ़ाई छोड़ने का विचार भी आया। लेकिन सरस्वती सायकल योजना के तहत मिली सायकल ने उनकी मुश्किलों को दूर कर दिया।

अदिति कुर्रे ने बताया कि अब वह कम समय में, बिना थके और सुरक्षित तरीके से स्कूल पहुंच पा रही हैं। सायकल मिलने से न सिर्फ आने-जाने में सुविधा हुई है, बल्कि पढ़ाई के लिए समय भी बढ़ गया है। अब वह पूरे मन से विद्यालय जाती हैं और नियमित रूप से कक्षाओं में शामिल हो रही हैं। अदिति के परिवार ने भी इस योजना के लिए शासन का आभार व्यक्त किया है।

उनका कहना है कि यह सायकल केवल एक साधन नहीं, बल्कि उनकी बेटी के उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ाया गया मजबूत कदम है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एल.पी.डाहिरे ने बताया कि जिले के तीनों विकासखण्डों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 अंतर्गत 05 हजार 274 सायकल वितरण का लक्ष्य रखा गया था। लक्ष्य के अनुरूप शतप्रतिशत सायकल वितरण कर छात्राओं को लाभान्वित किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ मना रहा 'महतारी गौरव वर्ष'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से सौजन्य भेंट कर प्रदेश में संचालित महिला एवं बाल विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं भावी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की।

मंत्री राजवाड़े ने इस अवसर पर अवगत कराया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2026 को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस पहल का उद्देश्य माताओं और बहनों के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक स्वावलंबन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण को विकास की धुरी मानते हुए योजनाओं को और अधिक प्रभावी स्वरूप दे रही है।

बैठक में मातृशक्ति सशक्तिकरण, पोषण अभियान की प्रगति, बाल संरक्षण सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, आंगनबाड़ी व्यवस्थाओं के उन्नयन तथा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन जैसे विषयों पर सकारात्मक एवं परिणाममुखी विचार-विमर्श हुआ। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने छत्तीसगढ़ में संचालित नवाचारों, जमीनी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों तथा हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी साझा की।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने योजनाओं के प्रभावी संचालन, मॉनिटरिंग तंत्र को मजबूत करने तथा पात्र हितग्राहियों तक लाभ की शत-प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया।

उन्होंने केंद्र एवं राज्य के समन्वित प्रयासों को महिला एवं बाल कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग एवं मार्गदर्शन से छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास से संबंधित योजनाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख बनाया जाएगा। सुशासन सरकार मातृशक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

धान से ब्राम्ही तक : कम लागत में अधिक लाभ की ओर अग्रसर किसान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ब्राम्ही की खेती किसानों के लिए आय का नया और भरोसेमंद फसल है द्य यह एक प्रमुख औषधीय पौधा है, जिसका उपयोग याददाश्त बढ़ाने, मानसिक शांति और आयुर्वेद में किया जाता है, जिससे इसकी बाजार में मांग बहुत है। छत्तीसगढ़ औषधि पादप बोर्ड जैसे संस्थानों द्वारा इसे प्रोत्साहित किया जा रहा है, और कुछ स्थानों पर सीधे खरीद की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे किसानों को सीधा फायदा हो रहा है।

छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के प्रयासों से राज्य के किसान अब पारंपरिक धान की खेती के साथ-साथ औषधीय फसलों की ओर भी तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। विशेष रूप से ब्राम्ही की खेती किसानों के लिए आय का नया और भरोसेमंद माध्यम बनकर उभरी है। धान से ब्राम्ही तक : कम लागत में अधिक लाभ की ओर अग्रसर किसान

बोर्ड द्वारा संचालित औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती योजना के अंतर्गत किसानों को ब्राम्ही की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। ब्राम्ही एक ऐसी औषधीय फसल है, जिसकी लागत कम और लाभ अधिक है। एक बार रोपण करने के बाद 3 से 4 वर्षों तक हर तीन माह में इसकी कटाई की जा सकती है। ब्राम्ही का उपयोग स्मरण शक्ति बढ़ाने, मानसिक स्वास्थ्य सुधारने, मस्तिष्क संबंधी औषधियों तथा सौंदर्य उत्पादों के निर्माण में किया जाता है, जिससे बाजार में इसकी मांग लगातार बनी रहती है। जहां धान की खेती में प्रति एकड़ लागत अधिक और मुनाफा सीमित होता है, वहीं ब्राम्ही की खेती में सालाना लागत लगभग 21 हजार रुपये तक आती है और एक वर्ष में लगभग 30 क्विंटल तक उत्पादन से किसानों को करीब 1 लाख 50 हजार रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है। इस प्रकार किसानों को लगभग 1 लाख 20 हजार रूपए तक का शुद्ध लाभ मिल रहा है। यही कारण है कि किसान अब ब्राम्ही की खेती को लाभकारी विकल्प के रूप में अपना रहे हैं।

बोर्ड द्वारा किसानों को ब्राम्ही की रोपण सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनकी प्रारंभिक लागत और कम हो गई है। साथ ही किसानों की उपज के विक्रय की समस्या को दूर करते हुए पहले से ही क्रय अनुबंध की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, जिससे किसानों को बाजार की चिंता नहीं रहती।

ब्राम्ही की खेती छत्तीसगढ़ की जलवायु और भूमि अत्यंत उपयुक्त है। यह नमी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में भी आसानी से उग जाती है, जहां अन्य फसलों में नुकसान की आशंका रहती है। इसी कारण अब किसान धीरे-धीरे धान के साथ वैकल्पिक खेती की ओर आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान में रायपुर एवं धमतरी जिले के लगभग 36 किसान 15 एकड़ क्षेत्र में सफलतापूर्वक ब्राम्ही की खेती कर रहे हैं और अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं।

छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने किसानों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार और निरंतर प्रयासों से औषधीय पौधों की खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। उन्होंने बताया कि बोर्ड किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, रोपण सामग्री और विपणन सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

आदिवासी अंचल की प्रतिभाओं को सरगुजा ओलंपिक से मिल रहा सशक्त मंच : नेताम

श्रीकंचनपथ समाचार

महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों ने जूनियर व सीनियर वर्ग में 12 खेलों में दिखाया दम

रायपुर। आदिम जाति विकास तथा कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में बलरामपुर में जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का समापन हुआ। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा बलरामपुर के स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय के खेल मैदान में 10 फरवरी से 12 फरवरी तक इसका आयोजन किया गया था। इस तीन दिवसीय आयोजन में खेल प्रतिभाओं के उत्साह, कौशल और ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

राज्य में पहली बार आयोजित सरगुजा ओलंपिक ग्रामीण और शहरी खिलाड़ियों को अपनी क्षमता और खेल कौशल प्रदर्शित करने का अच्छा मंच प्रदान कर रहा है। इसके जिला स्तरीय आयोजन के समापन में बलरामपुर पहुंचे आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर उनका उत्साहवर्धन किया। वे शंकरगढ़ और बलरामपुर की टीमों के बीच हो रहे बालिका रस्साकसी प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचे और प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने तीरंदाजी प्रतियोगिता भी देखा और स्वयं तीरंदाजी में हाथ आजमाकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को शील्ड और मेडल प्रदान किए।

सरगुजा ओलंपिक के जिला स्तरीय आयोजन के समापन के अवसर पर नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि विकासखंड से लेकर जिला स्तर तक सरगुजा ओलंपिक का सुनियोजित एवं व्यवस्थित आयोजन सराहनीय है। सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच बन रहा है। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी अंचल के युवाओं को मिल रहे इस अवसर की महत्ता रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और आगे बढ़ने की दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने प्रतिभागी खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास कर संभाग एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।

इन खेलों में दिखा रहे कौशलः सरगुजा ओलंपिक में सरगुजा संभाग के सभी 32 विकासखंडों के खिलाड़ी 12 खेलों में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें 5 व्यक्तिगत स्पर्धाएं और 7 दलीय खेल हैं। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में एथलेटिक्स (100, 200, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, 400 मीटर रिले), तीरंदाजी (इंडियन राउंड), बैडमिंटन, कुश्ती और कराटे शामिल रहे।

गुरुकुल परंपरा एवं नैतिक शिक्षा के समन्वय पर बलः रूपनारायण सिन्हा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आधुनिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों एवं शिष्टाचार का समावेश अत्यंत आवश्यक है। गुरुकुल परंपरा की मूल भावना को अपनाते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना समय की आवश्यकता है। उक्त विचार रूपनारायण सिन्हा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा पीएम श्री प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला अखरा (पाटन), जिला दुर्ग के वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए गए।

श्री सिन्हा ने कहा कि पीएम श्री विद्यालय की संकल्पना माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में की गई है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधायुक्त, गुणवत्तापूर्ण एवं समग्र शिक्षा प्रदान करना है। इस पहल के

अंतर्गत शिक्षा के साथ-साथ संगीत, खेल एवं योग जैसी गतिविधियों को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जितेंद्र वर्मा द्वारा की गई। अतिथियों का शाला प्रबंधन समिति द्वारा पुष्पगुच्छ, शाल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना, योगासन एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रभावी प्रस्तुति दी।

मधुर भंडारकर की द वाइव्स में महक बनेंगी मौनी रॉय

अभिनेत्री मौनी रॉय निर्देशक मधुर भंडारकर की आगामी फिल्म द वाइव्स में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी हो गई है। मौनी रॉय ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। फिल्म में मौनी रॉय महक नाम का किरदार निभा रही हैं।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है और निर्देशक मधुर भंडारकर के साथ काम करना उनकी बकेट लिस्ट का एक अहम हिस्सा था। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। इसमें मौनी के साथ-साथ फिल्म के बाकी कलाकार और मधुर भंडारकर भी नजर आ रहे हैं।

मौनी ने लिखा, शानदार फिल्म द वाइव्स की मैंने शूटिंग पूरी कर ली है। यह मेरी जिंदगी की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक बनने वाली है। मधुर भंडारकर सर का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे यह किरदार दिया। आपके साथ काम करना मेरी बकेट लिस्ट का अहम हिस्सा था।

इसी के साथ ही मौनी ने अपने सह-कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने लिखा, मेरे शानदार को-स्टार्स का भी शुक्रिया, जो बहुत दयालु, प्यारे और सहयोगी रहे। फिल्म जल्द ही आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर आगामी फिल्म द वाइव्स के जरिए सेलेब्स की पत्नियों की कहानी को पर्दे पर लेकर आ रहे हैं। फिल्म में बॉलीवुड की महिलाओं के ग्लैमर के पीछे छिपी जिंदगी से जुड़ी कहानी को दिखाया जाएगा। इसमें मौनी के अलावा, सोनाली कुलकर्णी, रेजिना कैसंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। इसके अलावा, फिल्म में अन्य कलाकार भी नजर आएंगे, लेकिन अभी उनके बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने रिलीज की तारीख अनाउंस नहीं की है।

इसके अलावा, मौनी आगामी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज अब होगा हिसाब में नजर आएंगी। इस सीरीज में मौनी रॉय, शाहीर शेख और निमृत कौर अहलूवालिया भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। हालांकि, मेकर्स ने सीरीज के रिलीज डेट की घोषणा अभी तक नहीं की।

धुरंधर से सफलता के शिखर पर पहुंचे रणवीर सिंह, अब सबसे महंगी फिल्म प्रलय से मचाएंगे तहलका

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धुरंधर 2 में व्यस्त चल रहे हैं। दिसंबर, 2025 में आई धुरंधर की जबरदस्त सफलता के बाद सीक्वल को लेकर लोगों की उम्मीदें आसमान छू रही हैं। 19 मार्च को रिलीज हो रही इस फिल्म के लिए लोगों का क्रेज सोशल मीडिया पर देखने लायक है। इस बीच, रणवीर की एक और फिल्म अपने बजट को लेकर लोगों का ध्यान खींच रही है जिसका नाम प्रलय है।

रणवीर अपनी अगली फिल्म प्रलय के लिए तैयार हो रहे हैं, जो एक हाई कॉन्सेप्ट जॉम्बी ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। यह रणवीर की अब तक की सबसे महंगी फिल्म होगी, जिसका बजट कथित तौर पर 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। पिंकविला से बातचीत में सूत्र ने बताया, रणवीर ने एक बैकएंड प्रॉफिट शेयरिंग डील की है और स्क्रिप्ट डेवलपमेंट से लेकर वीएफएक्स योजना तक हर चरण में शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रलय की शूटिंग 2026 के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है। धुरंधर की अपार सफलता के बाद फिल्म का बजट दर्शाता है कि निवेशक अभिनेता के नाम पर बड़ा निवेश करने के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि इससे निश्चित रूप से मुनाफा होगा। अटकलें यह भी हैं कि इस फिल्म में रणवीर के साथ लोका चैप्टर 1: चंद्र में काम कर चुकीं कल्याणी प्रियदर्शन नजर आ सकती हैं। हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

'रागिनी 3' में तमन्ना भाटिया संग मिलकर डराएगा ये स्टार किड

शशांक घोष ने संभाली निर्देशन की कमान.....

बालाजी मोशन पिक्चर्स ने हाल ही में फिल्म 'रागिनी 3' का ऐलान किया है। इस हॉरर फिल्म में तमन्ना भाटिया लीड रोल में नजर आएंगी। 'रागिनी 3' में उनके साथ एक नामी बॉलीवुड स्टार का बेटा नजर आएगा।

फिल्म 'रागिनी 3' को शशांक घोष डायरेक्टेड करेंगे। फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर मेकर्स ने जानकारी साझा की है। इसमें तमन्ना भाटिया के अपोजिट कौन हीरो है? फिल्म में उनकी जोड़ी किसके साथ बन रही है? जानिए।

आमिर खान के बेटे जुनैद संग बनेगी तमन्ना की जोड़ी

'रागिनी 3' में जुनैद खान तमन्ना भाटिया के साथ नजर आएंगे। आमिर खान के बेटे जुनैद ने इससे पहले 'लवयापा' जैसी रोमांटिक फिल्म की थी। अब वह हॉरर फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं। इसमें तमन्ना और वह दमदार किरदारों में नजर आएंगे। 'रागिनी' सीरीज की फिल्मों में रोमांस, धोखा और हॉरर का डोज दर्शकों को दिया जाता है, ऐसा ही कुछ तीसरी कड़ी में भी देखने को मिलेगा।

फिल्म 'रागिनी 3' में शामिल उम्दा टीम

तमन्ना भाटिया और जुनैद की इस फिल्म में एक उम्दा टीम शामिल है। साहिर रजा इस प्रोजेक्ट का क्रिएटिव एंगल देखेंगे। शशांक घोष फिल्म के निर्देशक हैं। वह पहले भी बालाजी मोशन पिक्चर्स के साथ 'वीरे दी वेडिंग' और 'फ्रेडी' जैसी सफल फिल्में कर चुके हैं।

इस साल कई फिल्म प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं तमन्ना भाटिया?

फिल्म 'रागिनी 3' के अलावा तमन्ना भाटिया 'वी शांताराम' की बायोपिक कर रही हैं। वहीं एक हॉरर फिल्म 'वन' भी कर रही हैं। इसके अलावा 'रेंजर' नाम की फिल्म भी उनके पास हैं।

अभिनेत्री से लेखिका बनीं नेहा शर्मा की बहन आयशा शर्मा, बोलीं- 'वास्तविक अनुभवों पर आधारित है किताब'

जॉन अब्राहम के साथ फिल्म 'सत्यमेव जयते' में नजर आईं अभिनेत्री आयशा शर्मा अब एक लेखक बन गई हैं। आयशा फिल्मों से ज्यादा सोशल मीडिया पर अपनी बोल्डनेस को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। लेकिन अब अभिनेत्री ने अपने जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत कर रही हैं। उन्होंने 'ब्लूम' के साथ एक लेखिका के रूप में अपनी शुरुआत की है। एक्ट्रेस का कहना है कि यह किताब रोजमर्रा के इमोशनल अनुभवों से प्रेरित है आयशा ने अपनी किताब को लेकर कहा कि यह उन पाठकों से बात करती है जो तनाव, खुद पर संदेह और हर चीज को संभालने के अथक दबाव से जूझ रहे हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि सही किताब सही समय पर मिलती है। मुझे उम्मीद है कि यह आपको तब मिले जब आपको इसकी सबसे ज्यादा जरूरत हो। मुझे उम्मीद है कि जब ऐसा हो, तो यह आपको यह एहसास दिलाए कि आपको समझा जा रहा है, उन दिनों में जब आपको किसी सहारे की सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

मैं यह दावा नहीं करती कि मेरे पास सभी सवालों के जवाब हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि मेरी किताब आपको यह महसूस कराएगी कि 'आयशा ने उन भावनाओं को शब्दों में पिरो दिया है, जिन्हें मैं हमेशा से महसूस करती रही हूं लेकिन व्यक्त करना नहीं जानती थी। यह किताब 27 फरवरी 2026 को भारत के बुकस्टोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होगी। आयशा ने बताया कि ये किताब उनकी आत्मकथा नहीं है, लेकिन फिर भी यह उनके वास्तविक भावनात्मक अनुभवों पर आधारित है। किताब की शुरुआत और प्रकाशन को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने खुद ही इसका कॉन्सेप्ट तैयार किया है। अपने आप से ही पब्लिशर्स से भी संपर्क किया। उनकी सकारात्मक प्रतिक्रिया ने मुझे बहुत प्रोत्साहित किया, न केवल एक राइटर के रूप में, बल्कि अपनी क्रिएटिवनेस पर भरोसा करने वाली एक व्यक्ति के रूप में भी। आयशा ने बताया कि अपनी शैली के अनुरूप राइटिंग धीरे-धीरे आगे बढ़ी। कई चीजें तो निजी डायरी राइटिंग और आत्मचिंतन के रूप में शुरू हुईं। फिर उनमें धीरे-धीरे गहरी फीलिंग्स आनी शुरू हुईं।

माता-पिता को दिया श्रेय

अपने आसपास के लोगों के समर्थन के बारे में आयशा ने कहा कि कई मायनों में मेरे माता-पिता ही इस किताब के अस्तित्व का कारण हैं। उन्होंने हमेशा मुझे अपने दिल की सुनने और खुद पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इसी भरोसे ने मुझे गंभीरता से लिखने का साहस दिया। यह किताब उन्हें समर्पित है क्योंकि उनका विश्वास मेरी इस यात्रा का आधार रहा है। आयशा ने बहन नेहा शर्मा को खुद को प्रोत्साहित करने के लिए शुक्रिया कहा।

रिवर्स फ्लाई एक्सरसाइज को इन 5 तरीकों से बनाएं प्रभावी, मिलेगा भरपूर फायदा

रिवर्स फ्लाई एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो पीठ, कंधों और बाहों को मजबूत बनाती है। यह न केवल आपके शरीर की स्थिति को सुधारती है, बल्कि आपको बेहतर संतुलन और स्थिरता भी देती है। इसके अलावा यह कसरत आपकी मांसपेशियों को टोन कर सकती है और आपके समग्र शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार ला सकती है। आइए जानते हैं कि रिवर्स फ्लाई को किन-किन तरीकों से किया जा सकता है, ताकि इससे भरपूर फायदा मिल सके।

सही वजन का डंबल चुनें

रिवर्स फ्लाई करते समय सही वजन के डंबल का चयन करना बहुत जरूरी है। अगर आप बहुत भारी डंबल का उपयोग करेंगे तो इससे आपकी मांसपेशियों पर अधिक दबाव पड़ेगा, जिससे चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है। वहीं, हल्के डंबल से आपको उतना फायदा नहीं मिलेगा। हमेशा ऐसे डंबल चुनें, जिन्हें उठाने में आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़े। हालांकि, आपके लिए उन्हें संभालना भी आसान होना चाहिए।

सही तरीके से एक्सरसाइज करें

रिवर्स फ्लाई करते समय सही तरीका अपनाना बहुत जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले अपने पैरों को कंधों की चौड़ाई पर रखें और हल्के झुकाव वाली मुद्रा में आ जाएं। अब दोनों हाथों में डंबल लेकर उन्हें धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठाएं, जब तक कि आपके हाथ कंधों के समानांतर न हो जाएं। इस दौरान पीठ को सीधा रखें और सांस को नियंत्रित करें। इसे सही तरीके से करने पर आप अधिकतम लाभ पा सकते हैं।

धीरे-धीरे जटिलता बढ़ाएं

अगर आप रिवर्स फ्लाई एक्सरसाइज में नए हैं तो शुरुआत में इसे कम करें और धीरे-धीरे जटिलता को बढ़ाएं। इससे आपकी मांसपेशियां तैयार रहेंगी और चोट लगने का खतरा कम होगा। पहले हफ्ते में इसे 10-15 बार दोहराएं और फिर हर हफ्ते 2-3 बार बढ़ाएं। इस तरह आप अपनी क्षमता के अनुसार अपनी ताकत बढ़ा सकते हैं और कसरत का पूरा लाभ उठा सकते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी और आप बेहतर परिणाम पा सकेंगे।

नियमितता बनाए रखें

कोई भी एक्सरसाइज तभी असरदार होती है, जब उसे नियमित रूप से किया जाए। रिवर्स फ्लाई को हफ्ते में कम से कम 3 बार करना चाहिए। इससे न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी, बल्कि आपकी समग्र शारीरिक स्थिति भी बेहतर होगी। नियमितता बनाए रखने से आपको लंबे समय तक इसके लाभ मिलेंगे और आपकी सेहत में सुधार आएगा। इसके अलावा नियमित अभ्यास से आपकी ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा और आप अधिक सक्रिय महसूस करेंगे।

पहले और बाद में तैयारी करें

किसी भी एक्सरसाइज से पहले और बाद में खुद को तैयार करना बहुत जरूरी है। आप पहले हल्की-फुल्की स्ट्रेचिंग या हल्की दौड़ जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, ताकि आपकी मांसपेशियां तैयार हो जाएं और चोट लगने का खतरा कम हो। बाद में कूल-डाउन करने से आपकी मांसपेशियां धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आ जाती हैं और शरीर का तापमान संतुलित रहता है। इन 5 तरीकों से आप रिवर्स फ्लाई एक्सरसाइज का भरपूर फायदा उठा सकते हैं।

- मुख्यमंत्री साय ने तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का किया शुभारंभ
- मैनपाट में पर्यटन के विकास हेतु 1 करोड़ तथा सीतापुर में सर्व सुविधायुक्त बस स्टैंड के निर्माण हेतु मुख्यमंत्री ने की घोषणा
- सरगुजा जिले को 523 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की मिली सौगात

मैनपाट महोत्सव से सरगुजा की संस्कृति और अस्मिता को मिलेगी व्यापक पहचानः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को सरगुजा जिले के मैनपाट में आयोजित तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ किया। समारोह में उन्होंने सभी को मैनपाट महोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने इस दौरान मैनपाट में पर्यटन के विकास हेतु 1 करोड़ रुपए तथा सीतापुर में सर्व सुविधायुक्त बस स्टैंड के निर्माण हेतु घोषणा भी की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले में 523 करोड़ 20 लाख 53 हजार रूपए की राशि के 109 विकास कार्यों की सौगात दी।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरगुजा की संस्कृति, अस्मिता को दिखाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है यह समारोह। इस महोत्सव से यहां की संस्कृति से देश-दुनिया परिचित होंगे। बाहर से आने वाले एवं स्थानीय कलाकारों को भी मंच मिलेगा और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मूलमंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है। उनके विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हम लोग विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प लिए हैं। सीएम साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख से ज्यादा माताओं-बहनों के खाते में एक हजार हर महीने आता है, 15 हजार करोड़ से ज्यादा रुपए उनके खाते में जा चुका है। आप लोगों ने देखा है कि 2 साल में यशस्वी प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के आशीर्वाद के कारण उनके दृढ़ ईच्छा शक्ति के कारण यह क्षेत्र नक्सवाद से मुक्त हो रहा है। मैं अपने प्रदेश के जवानों के साहस को नमन करता हूं।

तिब्बती बंधुओं ने ताशी शोपा नृत्य से किया स्वागत

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय का तिब्बती बंधुओं द्वारा तिब्बती संस्कृति पर आधारित ताशी शोपा नृत्य के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण किया। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर विकास

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर विकास हो रहा है। राज्य सरकार पर्यटन स्थलों के समग्र विकास, आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण और नई संभावनाओं के सृजन की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मैनपाट जैसे प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल पर पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

प्रकृति के प्रति प्रेम का महोत्सव

विधायक राम कुमार टोप्पो ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन केवल एक उत्सव का शुभारंभ नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के प्रति प्रेम का महोत्सव है। मैनपाट महोत्सव जन-गौरव का उत्सव है, जहां प्रकृति ने स्वयं इस धरती को अद्भुत सौंदर्य से सजाया है। मैनपाट महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर आज क्षेत्र के विकास हेतु 500 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है।

523 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की मिली सौगात

मैनपाट महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिले में विकास को नई गति देते हुए कुल 523 करोड़ 20 लाख 53 हजार रुपए 109 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 429 करोड़ 11 लाख 40 हजार रुपए की लागत के 81 कार्यों का भूमिपूजन एवं 94 करोड़ 09 लाख 13 हजार रुपए की लागत के 28 कार्यों का लोकार्पण किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य वेटलैण्ड प्राधिकरण की चतुर्थ बैठक आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य वेटलैण्ड प्राधिकरण केदार कश्यप की अध्यक्षता में प्राधिकरण की चतुर्थ बैठक का आयोजन अरण्य भवन,अटल नगर में किया गया। बैठक में मुख्य सचिव एवं प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विकासशील, अपर मुख्य सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ऋचा शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी. श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) अरूण कुमार पाण्डेय, सचिव आवास एवं पर्यावरण विभाग, सदस्य सचिव तथा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

यह प्राधिकरण राज्य के आर्द्रभूमियों के संरक्षण, प्रबंधन, उनके पारिस्थितिक स्वरूप को बनाए रखने और उन पर होने वाली गतिविधियों के नियमन के लिए उत्तरदायी है। यह प्राधिकरण गिधवा-परसदा और कोपरा जैसे जलाशयों के संरक्षण, प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा, और जिला स्तर पर बनी समितियों के माध्यम से प्रबंधन की निगरानी करता है।

बैठक में रामसर सचिवालय से प्राप्त कोपरा जलाशय के रामसर प्रमाणपत्र का विमोचन किया गया। इसके साथ ही कोपरा जलाशय तथा गिधवा-परसदा वेटलैण्ड काम्प्लेक्स के लोगों का भी अनावरण किया गया। बैठक में राज्य के वेटलैण्ड क्षेत्रों के संरक्षण, संवर्धन और विकास पर विस्तार से चर्चा की गई। यह भी निर्णय लिया गया कि विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय से वेटलैण्ड क्षेत्रों के संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को जागरूक किया जाएगा, ताकि प्राकृतिक जल स्त्रोतों और जैव विविधता का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

रेडियो की विश्वसनीयता और एआई की गति मिलकर जनसेवा को बनायेंगे अधिक सशक्त : सीएम साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वंदे मातरम के नए गायन संस्करण का पेन ड्राइव लॉन्च किया। मुख्यमंत्री साय ने सभी को विश्व रेडियो दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए आकाशवाणी रायपुर और यूनेस्को को इस खास आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष का विषय 'रेडियो और एआई' अत्यंत सामयिक और उपयोगी है।

सूचना क्रांति के इस युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग सभी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में एआई के माध्यम से रेडियो को और अधिक जनोपयोगी बनाने पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सही समय पर सही जानकारी नागरिकों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इसमें रेडियो की भूमिका शुरू से ही अत्यंत प्रभावी रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आकाशवाणी देश का सबसे भरोसेमंद समाचार प्रसारक है। निजी चैनलों के बीच तेज़ी से खबरें देने की प्रतिस्पर्धा के बावजूद आकाशवाणी ने अपनी विश्वसनीय, संतुलित और जनहितकारी सूचना परंपरा को बनाए रखा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में यह सूचना, शिक्षा और स्वस्थ मनोरंजन का सशक्त माध्यम है। उन्होंने रेडियो से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि जब दूरस्थ गांवों तक किसी अन्य माध्यम की पहुंच नहीं थी, तब रेडियो ही देश-दुनिया से जुड़ने का एकमात्र माध्यम था। किसानों और ग्रामीण अंचलों के लिए आकाशवाणी आज भी विशेष भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' जैसे लोकप्रिय कार्यक्रम के लिए रेडियो का चयन इसकी व्यापक पहुंच और प्रभाव को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आकाशवाणी के छह स्टेशन संचालित हैं तथा रायपुर से विविध भारती सेवा प्रसारित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'रेडियो और एआई' संचार के क्षेत्र में नई क्रांति ला सकता है। एआई की मदद से कंटेंट को अधिक प्रभावी, सटीक और त्वरित बनाया जा सकता है। आपातकालीन सूचनाएं, मौसम पूर्वानुमान, कृषि सलाह और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अधिक तेजी और सटीकता से प्रसारित की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ डिजिटल भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जा रहा है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और तकनीकी सुरक्षा के क्षेत्र में नए अवसर सृजित होंगे।

नई औद्योगिक नीति के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है और डिजिटल तकनीक के जरिए अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी के माध्यम से छत्तीसगढ़ी, गोंडी और हल्बी भाषाओं में प्रसारण से स्थानीय जुड़ाव मजबूत हुआ है और श्रोताओं की रुचि में वृद्धि हुई है।

अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि रेडियो की विश्वसनीयता और एआइ की गति मिलकर जनसेवा को और अधिक सशक्त बनाएंगी और विकसित भारत के लिए विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प सभी के सहयोग से अवश्य साकार होगा।

कार्यक्रम में यूनेस्को के रीजनल एडवाइजर ऑफ कम्युनिकेशन एंड इनफॉर्मेशन सुश्री हज़्ज़ाज़ मा'अली ने सभी को विश्व रेडियो दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रेडियो पूरी दुनिया में सबसे अधिक पहुंच रखता है और सबसे अधिक भरोसे वाला माध्यम है। रेडियो ने कठिन समय में भी अपनी विश्वसनीयता बनाए रखते हुए दुनिया को सही सूचनाएं प्रदान की। सुश्री अली ने कहा कि एआई के माध्यम से रेडियो को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है और इस दिशा में ठोस प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आकाशवाणी रायपुर छत्तीसगढ़ी और हिंदी भाषा में पूरे प्रदेश विशेषकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों तक अपनी सेवाएं दे रहा है। सुश्री अली ने कहा कि यूनेस्को रेडियो के विस्तार के लिए आकाशवाणी के साथ मिलकर नवाचार और तकनीकी पहलुओं पर लगातार सहयोग करेगा।

वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और सह-अस्तित्व के सिद्धांतों के अनुरूप हो सभी गतिविधियों का संचालन : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड की 16वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में बोर्ड की 15वीं बैठक के पालन प्रतिवेदन तथा नवीन एजेंडों पर चर्चा उपरांत प्रस्तावों को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड के निर्णय हेतु प्रेषित करने पर सहमति बनी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वन्यजीव हमारी प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं और उनके संरक्षणङ्कसंवर्धन के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए सतत निगरानी, अवैध गतिविधियों पर रोक तथा उनकी सुरक्षा के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही, वनों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाने और युवाओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने न्यूनतम हस्तक्षेप के सिद्धांत को अपनाते हुए अत्यावश्यक कार्यों को ही वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास में बिना किसी छेड़छाड़ के पूर्ण करने पर बल दिया। उन्होंने सह-अस्तित्व के सिद्धांतों के अनुरूप सभी गतिविधियों के संचालन की बात कही।

बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समितिके गठन को मंजूरी दी गई। स्थायी समिति का गठन वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता में किया जाएगा, जिसमें 11 अन्य सदस्य शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि वन्य प्राणियों की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होने वाले कार्यों के प्रस्तावों पर राज्य वन्यजीव बोर्ड का अभिमत अनिवार्य होता है। बोर्ड की बैठकों के बीच अधिक अंतराल के कारण प्रस्तावों की स्वीकृति में विलंब की स्थिति बनती है। स्थायी समिति के गठन से वैधानिक मंजूरियों के त्वरित निपटान तथा वन्यजीव प्रबंधन से संबंधित मुद्दों के शीघ्र निराकरण में सहायता मिलेगी।

बैठक में उदंतीङ्कसीतानदी टाइगर रिजर्व अंतर्गत बरबांधा जलाशय में बांध एवं नहरों के जीर्णोद्धार एवं नवीन कार्य, पीएम जनमन योजना के अंतर्गत कबीरधाम जिले के कवर्धा वनमंडल में पंडरीपानी मेन रोड से सौरु तक मार्ग मजबूतीकरण, गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने से संबंधित 6 प्रस्ताव, सेमरसोत अभ्यारण्य में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने, उदंतीङ्कसीतानदी टाइगर रिजर्व में सीआरपीएफ कैंप की स्थापना तथा उदंतीङ्कसीतानदी टाइगर रिजर्व में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने के प्रस्तावों का अनुमोदन कर उन्हें राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्वीकृति हेतु प्रेषित करने पर सहमति दी गई।

कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक धर्मजीत सिंह, मुख्य सचिव विकास शील, अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अरुण कुमार पाण्डेय सहित बोर्ड के अन्य सदस्य एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनसुविधाओं और नगर विकास में नहीं होगी पूंजी की कमीः मंत्री नेताम

रामानुजगंज में सुशासन के प्रतीक भव्य अटल परिसर का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रामानुजगंज के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ते हुए, कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने रामानुजगंज में नवनिर्मित श्अटल परिसरश् का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में स्थापित भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की अष्टधातु प्रतिमा का अनावरण भी किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा नेताम विशेष रूप से उपस्थित रहीं। स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर स्वागत गीत 'सांसों की सरगम गाए... सुस्वागतम' के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री नेताम ने रामानुजगंज को एक 'मॉडल नगर' के रूप में विकसित करने की बात कही।

'उन्होंने पूर्व में हुए कार्य की सराहना करते हुए कहा कि पूर्वे समय में' तय किए गए मॉडल के अनुरूप ही आज नगर में सड़कों का जाल बिछा है और बड़े पैमाने पर रिनोवेशन व नाली निर्माण के कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि वार्डों में पेयजल, बिजली और नाली जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी नहीं होने दी जाएगी और विकास कार्यों में आने वाली किसी भी बाधा का समन्वय कर समाधान निकाला जाएगा।

उन्होंने निस्वार्थ भाव से जनसेवा करने और क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं नगरवासी उपस्थित थे।

खास खबर

नौकरी का झांसा देकर ट्रेनिंग के नाम पर 4 युवतियों को बनाया बंधक

बिलासपुर। सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर चार युवतियों से 78 हजार रुपए ठगने का मामला सामने आया है। सिरगिट्टी पुलिस ने आरोपी श्याम, धीरू, चांदनी और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का जुर्म दर्ज किया है। कोरबा पसान निवासी पीड़िता कमला बाई श्याम ने बताया कि उनकी बेटी शशी ने 11 फरवरी को फोन कर रोते हुए बताया कि मोबाइल कंपनी वालों ने उसका फोन रख लिया है। लोकेशन मिलने पर परिजन सिरगिट्टी पहुंचे, जहां पता चला कि शशी के साथ उसकी सहेली परमेश्वरी, क्रांति सिंह और नगमा खान भी ठगी का शिकार हुई हैं। आरोप है कि आरोपियों ने 60 साल की स्थायी सरकारी नौकरी दिलाने का लालच देकर फर्जी ट्रेनिंग के नाम पर प्रत्येक युवती से 19,500 रुपए नकद व यूपीआई से लिए। रकम लेने के बाद चारों को सिरगिट्टी में बंधक बनाकर रखा गया। सूचना पर पुलिस ने युवतियों को बरामद कर जांच शुरू कर दी है।

नहाने जा रहे नाबालिग को ऑटो ने मारी टक्कर, मौत

रायगढ़। शुक्रवार की दोपहर तालाब नहाने जा रहे नाबालिग युवक को तेज रफ्तार ऑटो ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। चक्रधर नगर थाना अंतर्गत कुकुर्दा का रहने वाला अंकुश मेहर, पिता सुदामा मेहर, दोपहर को साइकिल से नहाने जा रहा था। इसी दौरान नदी पुल के पास ऑटो चालक ने उसे पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद ग्रामीणों ने ऑटो चालक को पकड़े रखा। बताया जा रहा है कि ऑटो चालक का नाम संजय अग्रवाल है। घटना के बाद ऑटो चालक ने अपने दोस्तों को बुलाया और कार से घायल नाबालिग को देखने उसके परिजनों के पास गया। हॉस्पिटल में नाबालिग की मौत की सूचना मिलते ही ऑटो चालक फरार हो गया। पुलिस ने मामले में मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और फरार ऑटो चालक की तलाश जारी है। अंकुश मेहर 10वीं कक्षा में अघोर आश्रम बनोरा में पढ़ता था। उसकी बोर्ड परीक्षा 8 दिन बाद शुरू होने वाली थी और वह इसकी तैयारी में जुटा हुआ था। हादसे में उसकी मौत ने परिवार और स्कूल में शोक का माहौल बना दिया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का कत्ल : गला रेत खुद फंदे पर झूल गया कातिल

दुष्कर्म आरोपी जमानत पर छूटकर आया था बाहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम फरदफोड़ में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक विचाराधीन कैदी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने उसी परिसर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरोपी हाल ही में दुष्कर्म के एक मामले में जमानत पर जेल से बाहर आया था। यह वारदात सुनियोजित तरीके से अंजाम दी गई, जिसने पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी है।

घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच हुई। आरोपी लखन देवांगन (57 वर्ष) अचानक ग्राम फरदफोड़ स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचा। उस समय केंद्र में बच्चे और सहायिका मौजूद थे। चश्मदीदों के अनुसार, लखन ने बच्चों और सहायिका को डरा-धमकाकर केंद्र से बाहर निकाल दिया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद, उसने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उगेश्वरी देवांगन (54 वर्ष) पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला किया, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। हत्या सुनिश्चित करने के बाद, आरोपी ने उसी कमरे में फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

ग्रामीणों के अनुसार, लखन देवांगन पूर्व में बलात्कार के एक गंभीर मामले में जेल में बंद था और कुछ समय पूर्व ही जमानत पर रिहा होकर गांव लौटा था। आशंका जताई जा रही है कि पुरानी रंजिश या मामले से जुड़ी किसी बात को लेकर उसने इस जघन्य हत्याकांड की साजिश रची थी।

सूचना मिलते ही देवरी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आंगनबाड़ी का दरवाजा तोड़कर दोनों शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया है। इस घटना के बाद से गांव में भय का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

यह घटना समाज के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है, जो ऐसे जघन्य अपराधों की ओर इशारा करती है। इस तरह की वारदातों को रोकने के लिए समाज और प्रशासन को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत एक की हालत गंभीर, ट्रक चालक फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र हथखोज में शुक्रवार सुबह बाइक और ट्रक में टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार दूसरा युवक घायल हो गया। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुरानी भिलाई पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और मृतक के शव को सुपेला शास्त्री अस्पताल भेजा गया।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान भूपेंद्र के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी था और खुर्सीपार क्षेत्र में किराए के मकान में रहता था। शुक्रवार सुबह वह अपने साथी के साथ बाइक से काम पर जाने के लिए इंडस्ट्रियल एरिया की ओर जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। हादसे में भूपेंद्र ने घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

वहीं घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही भिलाई-3 थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

60 टन अवैध कोयला व चैन माउंटेड मशीन जब्त, आरोपी फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले में अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए खनिज एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने धरमजयगढ़ वन मंडल के समरसुता नाला क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान लगभग 60 टन अवैध रूप से निकाला गया कोयला और एक चेन-माउंटेड मशीन जब्त की गई। छापेमारी जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में पुलिस बल और ग्रामीणों की उपस्थिति में की गई।

वन मंडलाधिकारी जितेंद्र उपाध्याय ने बताया कि 2 फरवरी को अवैध उत्खनन की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही खनिज एवं वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर छापामार कार्रवाई की। जांच के दौरान अवैध उत्खनन कर संचित किया गया करीब 60 टन कोयला जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान चेन-माउंटेड मशीन भी बरामद की गई।

हालांकि मौके पर मौजूद आरोपी फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। जब्त कोयला खनिज विभाग ने अपने कब्जे में लिया, जबकि मशीन वन विभाग ने जब्त की। दोनों को विधिवत थाना प्रभारी को सुपुर्द कर दिया गया है। वन विभाग ने वन अपराध प्रकरण दर्ज कर वाहन की राजसात कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

मामले की प्रारंभिक सूचना न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, धरमजयगढ़ को भेज दी गई है। अधिकारियों के अनुसार जिले में अवैध उत्खनन पर अंकुश लगाने के लिए सतत गश्त और निगरानी जारी रहेगी। फरार आरोपियों की तलाश के साथ विधिक कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

अंधेरे में बाइक की टक्कर से साइकिल सवार दंपती की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा-मांढर रोड पर गुरुवार रात 9 बजे तेज रफ्तार बाइक ने साइकिल को जोरदार टक्कर मारी। साइकिल सवार दंपती खेत में फेंका गए। दोनों तड़पते रहे। पुलिस के पहुंचते तक दोनों ने दम तोड़ दिया। बाइक सवार दोनों युवकों को अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे की इलाज चल रही है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद तीनों को शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि टेकारी में भोजराम विश्वकर्मा (58) परिवार के साथ रहते थे। वह अपनी पत्नी प्यारी विश्वकर्मा (53) के साथ रिश्तेदार के घर गए थे। वहां से रात को घर लौट रहे थे। बरौंदा के पास पीछे से आ रही बाइक ने साइकिल को जोरदार टक्कर मारी। भोजराम और प्यारी साइकिल के साथ खेत में फेंका गए। बाइक भी खेत में घुस गई। बाइक में मांढर का शुभम यादव और उसका दोस्त लव कुमार था।

राज्य में पिछले साल 3.10 प्रतिशत बढ़े हादसे राज्य में 2025 में 15 हजार 318 सड़क हादसे हुए हैं। इसमें 6728 लोगों की जान गई है। इसमें 13135 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जबकि 2024 में 14857 हादसे में 6945 लोगों की जान गई है। पिछले साल सड़क हादसे में 3.10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल राज्य में 108 से ज्यादा ब्लैक स्पॉट थे। जबकि 2019 से 2024 के बीच यह 885 थे। इसमें से अधिकांश में सुधार हुए हैं, लेकिन नए बढ़ भी गए हैं।

मांढर रोड पर अंधेरा, यही हादसे की वजह: पुलिस ने बताया कि बरौंदा से मांढर रोड पर हमेशा अंधेरा रहता है। सड़क पर लाइट नहीं लगी है। यही हादसे की वजह बन रही है। पहले भी अंधेरे की वजह से हादसा हुआ है।

गैंगरेप मामले में फरार बीएन पाण्डेय व संजय पंडित ने किया सरेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में बहुचर्चित नाबालिग से गैंग रेप के मामले में फरार चल रहे पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार संजय पंडित व सांसद का पूर्व पीएम बीएन पाण्डेय ने शुक्रवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। दोनों ने पुलिस कार्रवाई के दबाव में कोर्ट में सरेंडर किया। इसके साथ ही इस केस के सभी 6 आरोपी गिरफ्तार हो गए हैं। पूर्व में चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

बता दें भिलाई में नाबालिग से 8 वर्षों तक अलग अलग समय में रेप होता रहा। पीडब्ल्यूडी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उसके साथ गैंग रेप हुआ। आठ साल बाद यह मामला पुलिस के पास पहुंचा। महिला थाने में इस पर एफआईआर हुई और पुलिस ने विवेचना शुरू की। पुलिस ने गंभीर मामले में कारोबारी अनिल चौधरी (60), पीडब्ल्यूडी का रिटायर्ड कर्मचारी गोविंद सिंह ठाकुर (62), पीडब्ल्यूडी में टाइम कीपर राजू कश्यप व विजय अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले में 30 जनवरी को भिलाई महिला थाने में एफआईआर होने के बाद सांसद का पूर्व पीएम बीएन पाण्डेय और पीडब्ल्यूडी का ठेकेदार संजय पंडित फरार हो गया था। आरोपी बीएन पांडेय दुर्ग सांसद का पूर्व पीए रहा है जिसने पीड़िता को नौकरी दिलाने में मदद की। पाण्डेय ने पीड़िता से व्हाट्सअप पर उसके न्यूड वीडियो मंगवाए और इसी का डर दिखाकर रेप करता रहा। संजय पंडित पर होटल रेस्ट हाउस प्रबंध करने का आरोप है। इसने नौकरी से निकलवाने का डर दिखाकर लड़की का रेप किया था। इस गंभीर मामले फरार चल रहे दोनों आरोपियों ने 13 फरवरी को कोर्ट पहुंच कर सरेंडर कर दिया है।

17 किलो गांजे के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ओडिशा से गांजा लाकर उसे उत्तर प्रदेश लेकर जा रहे दो अंतरराज्यीय तस्करों ने रायपुर रेलवे स्टेशन में घेराबंदी करके पुलिस ने दबोचा। आरोपियों से 17 किलो गांजा पुलिसकर्मियों ने जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के नाम राघवेन्द्र सिंह और झम्मन सिंह बताया है। आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

गुढ़ियारी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 12 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली कि प्लेटफार्म नंबर 7 पर दो तस्कर गांजा लेकर उत्तर प्रदेश जाने की तैयारी कर रहे है। मुखबिर की सूचना पर पुलिसकर्मियों ने आरपीएफ की टीम के साथ मिलकर आरोपियों को घेराबंदी करके पकड़ा।

पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम राघवेंद्र सिंह (22) निवासी कानपुर देहात और झम्मन सिंह (38) निवासी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश बताया। तलाशी लेने पर उनके बैग से 17 किलो 949 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 9 लाख 27 हजार रुपए आंकी गई है।

नॉर्थ जोन की टीम ने लिया एक्शन

आरोपियों पर कार्रवाई रायपुर नॉर्थ जोन के पुलिस उपायुक्त मयंक गुर्जर के निर्देश पर की गई है। आरोपियों पर केस दर्ज करके उनसे पूछताछ की गई और उनके नेटवर्क में शामिल आरोपियों की जानकारी जुटाई जा रही है। जांच अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

कोरबा में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष से मारपीट, मामले में एफआईआर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। अधिवक्ता भवन में गुरुवार को अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष से मारपीट और स्टाम्प वेंडर से ब्लैकमेलिंग की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जिला कोर्ट परिसर के अधिवक्ता भवन में गुरुवार दोपहर बालको नगर निवासी मुकेश भारती से अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गणेश कुलदीप का विवाद हो गया।

अध्यक्ष ने मुकेश पर अधिवक्ता भवन में घुसकर महिला शौचालय के पास फोटोग्राफी करने का आरोप लगाया। मना करने पर हुज्जतबाजी कर गाली-गलौज व मारपीट की बात कही। यह भी आरोप लगाया कि फोटो-वीडियोग्राफी कर वकीलों व स्टाम्प वेंडर से ब्लैकमेलिंग की जाती है। इसके बाद अधिवक्ताओं ने मुकेश के खिलाफ प्रदर्शन कर केस दर्ज करने की मांग की। शुक्रवार को अधिवक्ता संघ की प्रशासन-पुलिस के साथ बैठक हुई। इसके बाद संघ के पदाधिकारी व सदस्य सिविल लाइन थाना पहुंचे। यहां कार्रवाई के लिए ज्ञापन दिया।

पुलिस ने मामले में कुलदीप की ओर से गाली-गलौज-मारपीट व स्टाम्प वेंडर की ओर से ब्लैकमेलिंग की रिपोर्ट पर दो अलग-अलग केस दर्ज किया है। सीएसपी कोरबा प्रतीक चतुर्वेदी के मुताबिक अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों समेत अधिवक्ताओं ने सिविल लाइन थाना पहुंचकर आरोपी मुकेश भारती के खिलाफ कार्रवाई के लिए आवेदन प्रस्तुत किया।

दो आवेदन में से एक में गाली-गलौच व मारपीट व दूसरे में ब्लैकमेलिंग का केस दर्ज किया गया है। मामले में आगे जांच जारी है जो भी तथ्य सामने आएगा उसके अनुसार उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेडिंग से रकम डबल करने का झांसा देकर 6 लाख रुपए ठगे

बिलासपुर। मॉल बुलाकर ठग गिरोह ने एक व्यक्ति को साल भर में रकम दोगुनी करने का लालच देकर 6.05 लाख रुपए ठग लिए। सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी झमिया यादव और चेतन पटेल निवासी कवर्धा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। जांजगीर निवासी अनिल कुमार पाण्डेय की मुलाकात एक साल पहले झमिया यादव और चेतन पटेल से हुई थी। दोनों ने खुद को फोरेक्स ट्रेडिंग का एक्सपर्ट बताकर अनिल को निवेश के लिए तैयार किया। आरोपियों ने अनिल को बिलासपुर के मैग्नेटो मॉल बुलाया, जहां उसने 1.50 लाख नकद और 70 हजार रुपए फोन-पे से दिए। अगस्त से अक्टूबर के बीच आरोपियों ने 7 किस्तों में 4.55 लाख रुपए और ट्रांसफर करवा लिए। कुल 6.05 लाख लेने के बाद केवल 23 हजार लौटाए। बाकी रकम मांगने पर आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया। पुलिस जांच कर रही है।

गिलास नहीं देने पर महिला को पीटा और फाड़े कपड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ में गुरुवार रात रेलवे स्टेशन के बाहर शराब पीने के लिए गिलास न देने पर बदमाशों ने गुब्बारे बेचने वाली महिला की लात-घूसों से जमकर पिटाई कर दी। आरोपियों ने उसके कपड़े भी फाड़ दिए।

बीच-बचाव करने आए पति को भी बेरहमी से पीटा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही कोतवाली पुलिस हरकत में आ गई। रातोंरात पीड़िता और उसके पति को ढूंढकर थाने ले जाया गया और एफआईआर दर्ज की। मात्र 12 घंटे में चारों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। एसएसपी शशि मोहन सिंह को घटना की जानकारी मिलते ही थाना कोतवाली को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पीड़िता पूजा यादव (25) व पति पवन यादव की तलाश शुरू की।

ग्राम रायपुरा चंगोराभाठा (डीडीनगर, रायपुर) निवासी पवन ने बताया कि शनिवार को पत्नी व दो बच्चों के साथ गुब्बारे बेचने रायगढ़ आए थे। 12 फरवरी रात साढ़े सात बजे मोटर पार्किंग के सामने भोजन बना रहे थे, तभी कुछ युवक शराब के गिलास मांगने लगे। मना करने पर गाली-गलौज शुरू हो गया।

आरोपियों ने पूजा को हाथापाई से पीटा, कपड़े फाड़े और पवन को भी मुक्कों से पीटा। पीड़ित के तहरीर पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 (लोक शांति भंग), 351(3) (आपराधिक बल प्रयोग), 115(2) (स्वेच्छा से गंभीर चोट) व 3(5) के तहत मामला दर्ज किया। छापेमारी में शशि कुमार पासवान (25), राकेश कुमार पासवान (24), रोशन भारती उर्फ पप्पू (29) व पप्पू पासवान (50) सभी बिहार के बेगूसराय जिले के निवासी, वर्तमान रेलवे कॉलोनी रायगढ़ को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़िता-पति ने उनकी पहचान की पुष्टि की।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बेमेतरा

शीतला मंदिर के पास सिंघौरी, जिला बेमेतरा (छ.ग.)

E-mail Id:- eeres.bemetara@gmail.com Phone No.07824222332

क्र./239/का.अभि/वलेलि/ग्रा.यां.सेवा/2025-26 बेमेतरा, दिनांक 12/02/2026

संक्षिप्त ई-जोनल निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 14 (तृतीय बार)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) "द" एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित सिविल कार्य हेतु मुख्य अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा निर्माण एवं संधारण कार्य हेतु दर अनुसूची जो दिनांक 01.11.2021 एवं विद्युत कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 में प्रचलित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर प्रतिशत दर एवं ट्यूब वेल कार्य हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग दिनांक 01.06.2020 में प्रचलित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर विकासखंड बेमेतरा के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों हेतु स्वीकृत 30.00 लाख लागत तक के निर्माण कार्य हेतु जोन क्र.-02 हेतु 35.00 लाख रूपये का जोनल ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त निविदा की समस्त शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 13.02.2026 से देखी/डाउनलोड की जा सकती है एवं निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 19.02.2026 तथा निविदायें दिनांक 24.02.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे खोली जावेगी।

(महाजन बांधडे)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-बेमेतरा
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

जी-252606686/3

धोबीबारी में घुसा दंतैल लोगों ने भागकर बचाई जान

कोरबा। वन मंडल कटघोरा जटगा रेंज में घूम रहे हाथी शुक्रवार को कटोरी नगोई के धोबीबारी पहुंच गए। दंतैल ने एक मकान को तोड़ दिया। ग्रामीणों ने भाग कर जान बचाई। ग्रामीण पेड़ के नीचे रहने को मजबूर हैं।

दोपहर में डीएफओ कुमार निशांत ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से चर्चा की। ग्राम पंचायत कटोरीनगोरी से धोबीबारी करीब 7 किमी दूर पहाड़ पर है। यहां पांच परिवार रहते हैं। 48 हाथी पहाड़ के ऊपर काफी समय से घूम रहे हैं। इनमें से एक दंतैल अलग होकर मकान तोड़ रहा है। वदंतैल ने चावल खाए और बर्तन तोड़ दिए। ग्रामीण रात में आग जलाकर परिवार की सुरक्षा कर रहे हैं। यहां कोई पक्का मकान नहीं है। ऐसे में ग्रामीणों को अलग से ठहराने की व्यवस्था नहीं हो पा रही है।

खास खबर

महिला दो रोटी बना सकती है तो दो रोटी के लिए कमा भी सकती है - नंदनी ओंकार साहू

राजिम। राजिम कुंभ कल्प के नवीन मेला मैदान में आयोजित संभागीय सरस मेला इन दिनों महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण बनकर उभर रहा है। मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से महिलाएं अपने हुनर और परंपरागत छत्तीसगढ़ी उत्पादों का प्रदर्शन कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। स्टॉल संचालिकाओं का उत्साहवर्धन करने जिला पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप, महिला एवं बाल विकास सभापति नंदनी ओमकार साहू, वन सभापति शिवांगी चतुर्वेदी, जिला पंचायत सदस्य लेखराज धुरवा तथा इंद्रजीत महाडिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप ने कहा संभागीय सरस मेला केवल आय का साधन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ी व्यंजनों और परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा सेवा के साथ आय प्राप्त होना सौभाग्य की बात हैं यह आयोजन वास्तव में नारी सशक्तिकरण की सजीव मिसाल बनकर सामने आया है। महिला एवं बाल विकास सभापति नंदनी ओमकार साहू ने कहा, 'मेला अब केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि महिलाओं के हुनर को पहचान दिलाने का माध्यम बन गया है। आज की महिला घर में दो रोटी बना सकती है तो दो रोटी के लिए कमा भी सकती है।' उनके इस वक्तव्य से उपस्थित महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया। इंद्रजीत महाडिक ने कहा कि सरस मेला महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का सशक्त प्लेटफॉर्म है। उन्होंने बताया कि 12 दिनों में लगभग 7 लाख रुपये की आय अर्जित कर महिलाएं 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में अग्रसर हैं और अब लक्ष्य करोड़पति बनने का है।

राजिम कुंभ कल्प की गूंज पहुंची सात संदर पार, छत्तीसगढ़ की संस्कृति ने जीता इटली के पर्यटकों का दिल

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। छत्तीसगढ़ के पवित्र तीर्थ नगरी राजिम में आयोजित कुंभ कल्प मेला के आस्था और भव्यता की गूंज सात समंदर पार तक सुनाई दे रही है। संगम तट पर उमड़ती श्रद्धालुओं की भीड़, संतों का सानिध्य और सांस्कृतिक विविधता विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित कर रही है। इटली सहित कई देशों से पहुंचे पर्यटक यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा और सरलता से अभिभूत नजर आ रहे हैं।

इस साल 15 दिवसीय कुंभ कल्प मेले में नाइजीरिया और इटली से पर्यटकों के पहुंचने के बाद तुष्कानी राज्य से तीन और पर्यटक राजिम पहुंचे। विदेशी मेहमानों ने भगवान राजीव लोचन मंदिर में दर्शन-पूजन कर संगम क्षेत्र का भ्रमण किया और मेले के हर दृश्य को अपने मोबाइल और कैमरे में कैद किया।

इटली से आए लाऊडियो, मोनिका और रुसाना हेल्थ विभाग से सेवानिवृत्त हैं। वे 15 दिन छत्तीसगढ़ और 15 दिन दक्षिण भारत में बिताएंगे। वे कुंभ मेला और महाशिवरात्रि पर सनातन धर्म को करीब से देखना चाहते हैं।

विदेशी पर्यटकों ने निर्वाणी अखाड़ा के संतों से आशीर्वाद लिया और राजीवलोचन महाराज के पंडाल में बैठकर फलाहार भी किया। उन्होंने कहा कि राजिम बहुत अच्छा लग रहा है। छत्तीसगढ़ के लोग सरल और आत्मीय हैं, मंदिरों में भक्ति का अद्भुत वातावरण है। यहां किसी प्रकार का दबाव या अनिवार्य दान नहीं है, जो मन से दिया जाए उसे ही स्वीकार किया जाता है। विदेशी मेहमानों को देखकर स्थानीय लोगों में भारी उत्साह का माहौल रहा। हर कोई उनके साथ सेल्फी लेने के लिए उत्सुक दिखे। लोग फोटो-फोटो कहते नजर आए और विदेशी भी मुस्कुराकर पोज देते रहे।

चार कुंभ के बाद पांचवा कुंभ कल्प है राजिमः श्री राम बालक दास जी महायोगी

पुराणों में सिर्फ चार कुंभों का जिक्र, इसलिए संतों की सहमति से राजिम बना कुंभ कल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। कुंभ कल्प मेले में संत समागम का वृहद पंडाल और साधु संतों की उपस्थिति लोगों को धर्म आध्यात्मिक से जोड़ने का काम कर रही है। श्री पाटेश्वर सेवा संस्थान बाल योगेश्वर श्रीराम बालक दास जी महायोगी प्रतिदिन हनुमत महायज्ञ का आयोजन कर रहे हैं जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हो रहे हैं। यज्ञ कुंड में आहुति डाली जा रही है और सर्वे भवंतु सुखिनरू की भावना को लेकर यह आयोजन किया जा रहा है।

मीडिया से बातचीत करते हुए बाल योगेश्वर राम बालक दास महाराज ने कहा कि वेद पुराण में चार जगह ही कुंभ है इसलिए इसे राजिम कुंभ कल्प का नाम दिया गया है। कल्प का मतलब छोटा होता है अर्थात कुंभ का छोटा रूप कल्प कुंभ है। उन्होंने आगे बताया कि 21 साल पहले मुझे छत्तीसगढ़ शासन की ओर से जिम्मेदारी मिली थी कि मैं पूरे भारत भर के संतों से आज्ञा लेकर आऊं, हस्तलिखित अखाड़े के संतों को आमंत्रित किया। 6 महीने तक पूरा भारत घूमता रहा और संतों का आशीर्वाद लाया। यह 15 दिन के मेले में एक सप्ताह का संत समागम होता है। उन्होंने आगे बताया कि राजिम कुंभ कल्प 2026 शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा है मां कौशल्या धाम बालोद के द्वारा हनुमत यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

इसी साल होगी माता कौशल्या के मंदिर की स्थापना

छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित मानस मंडलियों के द्वारा प्रतिदिन रामचरित्र मानस का आयोजन हो रहा है। भक्तों का तांता लगा हुआ है। राजिम कुंभ एक ऐसी जगह है जहां पर धार्मिक, सामाजिक और आध्यात्मिक संगम होता है। वैसे तो तीन नदियों का संगम है लेकिन हमारे पूरे समुदाय तथा हिंदू समाज का संगम होता है तो इसका महत्व और बढ़ जाता है। राजिम कुंभ कल्प में इस बार मां कौशल्या का दरबार सजाया गया है। माता कौशल्या का विश्व में कोई बड़ा धाम, मंदिर या फिर तीर्थ नहीं है। बालोद जिला में 35 करोड़ की लागत से मंदिर बनकर तैयार हो गया है। इसी वर्ष स्थापना होगी इसमें माता कौशल्या की प्रतिमा विराजित की जाएगी। एक वर्ष के बाद सारा विश्व छत्तीसगढ़ आएगा तो कौशल्या माता का दर्शन जरूर करेंगे। उन्होंने निवेदन किया कि राजिम आइये और त्रिवेणी संगम में स्नान कर राजिम कुंभ कल्प के माध्यम से पूरे देश और विदेश के लोगों को आने का निमंत्रण दिया।

राजीव लोचन मंदिर में 2500 श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

श्री राजीव लोचन मंदिर परिसर में मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं के लिए तीन दिवसीय भोग भंडारे का भव्य आयोजन किया गया है। प्रथम दिन 2500 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रथम दो दिवस का भंडारा ट्रस्ट की ओर से किया जा रहा है। तीसरे दिन महाशिवरात्रि के अवसर पर राजिम भक्तिन माता समिति द्वारा संचालित भोजन भंडारे में श्री राजीवलोचन मंदिर ट्रस्ट के सौजन्य से भंडारा किया जाएगा।

दंडी स्वामी सच्चिदानंद तीर्थ के सानिध्य में सरस्वती महायज्ञ सम्पन्न

वैदिक मंत्रों से गूंजा संत समागम स्थल

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के संत समागम स्थल पर शुक्रवार को आध्यात्मिक उल्लास और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सरस्वती महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। दंडी स्वामी सच्चिदानंद तीर्थ महाराज के मंडप में सम्पन्न इस यज्ञ में स्कूली छात्र-छात्राओं ने श्रद्धा और अनुशासन के साथ समिधा अर्पित कर अनुष्ठान को पूर्ण किया।

यज्ञ में सरस्वती शिशु मंदिर नवापारा के 75, सरस्वती शिशु मंदिर राजिम के 45 तथा नवकार पब्लिक स्कूल के करीब 50 विद्यार्थियों ने सहभागिता निभाई। संतों के सानिध्य में विद्यार्थियों ने वैदिक विधि-विधान से आहुतियां अर्पित कीं। पूरे परिसर में 'या कुन्देन्दु तुषारहार धवला' के मंत्रोच्चार से माता सरस्वती की आराधना की गई।

इस अवसर पर चक्र महामेरू पीठम के स्वामी दंडी महाराज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश ही जीवन को सफल बनाता है। ज्ञान और आध्यात्मिकता का संतुलन ही उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया।

विद्यालयों के शिक्षकों ने बताया कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और धर्म के प्रति आस्था मजबूत होती है। मां सरस्वती से बुद्धि, विवेक और विद्या की कामना करते हुए विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह से यज्ञ में भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि स्वामी सच्चिदानंद तीर्थ महाराज द्वारा प्रतिवर्ष सरस्वती यज्ञ का आयोजन किया जाता है, जिससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सद्विचारों का प्रसार होता है। यज्ञ संपन्न होने के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

राजिम कुंभ कल्प में बिखरा सुनील सोनी की आवाज़ का जादू, देर रात तक झूमते रहे दर्शक, विधायक भी थिरके

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प के मुख्य मंच पर बारहवें दिन आयोजित सुनील नाइट ने मेले की सांस्कृतिक संध्या को यादगार बना दिया। जैसे ही मंच पर छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय गायक सुनील सोनी ने कदम रखा, पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा।

कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने भक्तिमय गीत 'हे गणेश गौरी के ललना' से की, जिसने माहौल को श्रद्धा और आस्था से भर दिया। इसके बाद 'हर-हर भोला' की प्रस्तुति ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनकी सधी हुई आवाज़, संगीत की नई धुन ने श्रोताओं का दिल जीत लिया।

जब उन्होंने वर्ष 2000 की चर्चित छत्तीसगढ़ी फिल्म मोर छईया भुईया का भावुक गीत 'छईया भुईया ल छोड़ जवईया' प्रस्तुत किया, तो कई दर्शक भावुक हो उठे। वहीं 'मीठ-मीठ लागे मया के बानी', 'रानी के फुंदरा राजा गहना धरे' और 'तारा तोड़ के लाना गोरी' जैसे लोकप्रिय गीतों ने माहौल को पूरी तरह रंगीन बना

दिया। दर्शक दीर्घा उनके चाहने वालों से भरी रही और लोग देर रात तक अपने स्थान पर डटे रहे। कई लोग मंच के सामने आकर झूमते और इस नजारे को मोबाइल में कैद करते नजर आए।

राजिम विधायक रोहित साहू तथा अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी देर रात कार्यक्रम का आनंद लेने मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शकों के बीच बैठकर प्रस्तुतियों का लुत्फ उठाया। छत्तीसगढ़ी गीतों और भक्तिमय धुनों पर वे भी तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहे।

मंच पर अन्य कार्यक्रमों में कत्थक नृत्यांगना शिल्पा सिंह ने आकर्षक प्रस्तुति दी। पैरों, हाथों और आंखों के बेहतरीन तालमेल ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद सुरसुधा परिवार के संतोष कुमार घोरबंधे ने भक्तिमय प्रस्तुतियों से माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। 'तोला बुलाव जगदम्बा अम्बे भवानी' और 'मैं लइका गवई किसान के' जैसे गीतों ने दर्शकों को भक्ति रस में डुबो दिया। पंथी नृत्य 'सतनाम गंगा बोहागे गा छत्तीसगढ़ के माटी म' के माध्यम से गुरु घासीदास बाबा के संदेशों को याद किया गया। देशभक्ति गीत 'ये मोर वतन जेनला कहिथन भारत देश गा' ने वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया।

कलाकारों का सम्मान विधायक रोहित साहू, विधायक इंद्र कुमार साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह और बुके भेंट कर किया। संचालन दुर्गेश तिवारी और किशोर निर्मलकर ने किया।

राजिम कुंभ कल्प के मंच पर छाया जगराता का जादू

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेले के स्थानीय मंच पर 12 फरवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देखने को मिलीं। इसी कड़ी में आमोदी (आरंग) के प्रवीण कुमार के जगराता ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक और श्रद्धालु देवी भजनों पर झूमने को मजबूर हो गए। पूरा पंडाल माता के जयकारों से गूंज उठा।

वहीं पोंड तोरला के दाऊराम भारती ने सतनाम भजन प्रस्तुत कर संत गुरु घासीदास बाबा की महिमा का गुणगान किया। भाठागांव रायपुर के अनीता साहू ने देवी दुर्गा के भजनों से भक्तिमय वातावरण निर्मित किया। राजिम की रानी मिरी टोली ने पंथी नृत्य से दर्शकों

का मन मोह लिया, वहीं चारामा की विद्या दुर्गाशी ने बारहमासी नृत्य के माध्यम से वर्षभर के पर्वों को मंच पर जीवंत कर दिया।

दरबा की हेमा साहू द्वारा प्रस्तुत जस झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। जैसे ही झांकी में दुर्गा माता ने महिषासुर का वध किया, दर्शकों ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धा व्यक्त की।

पिपरछेड़ी (गरियाबंद) के चंदन कुमार ने आदिवासी नृत्य, तेंदूबाई (गरियाबंद) के ओमकुमार ने भुंजिया नृत्य के माध्यम से आदिवासी संस्कृति की झलक से दर्शकों को रूबरू कराया।

नवापारा के परमेंद्र कुमार ने शिव भजन और रायपुर की गायत्री धीवर ने सुगम गायन से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इसके अलावा राजिम के भूपेंद्र कुमार सोनकर की भजन संध्या, धनसुली के ओमप्रकाश का रामायण पाठ, रिको पलौद के राजेश बंजारे का सतनाम भजन, डूमरपाली के वेदप्रकाश साहू का मानस गान तथा अभनपुर के उधोराम साहू सेवा मंडली द्वारा माता के भजनों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन खुमान सिंह ध्रुव एवं दीप्ति मैडम ने किया।

संयोजक पुरुषोत्तम चंद्राकर, नोडल अधिकारी दिनेश्वरी साहू, संतोष सूर्यवंशी, राकेश साहू एवं तोमेश्वर देवांगन सहित अन्य कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे रहे।

महाशिवरात्रि पर विशेष

राजिम में भूतेश्वरनाथ महादेव के दर्शन को उमड़ रहे श्रद्धालु, शिवभक्ति की बह रही धारा

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। छत्तीसगढ़ का पवित्र तीर्थ राजिम, जिसे प्रदेश का प्रयाग कहा जाता है, इन दिनों कुंभ कल्प मेले के दौरान आस्था का केंद्र बना हुआ है। वैसे तो राजिम को शिवालयों की नगरी भी कहा जाता है। यहां संगम तट पर स्थित कुलेश्वरनाथ, राजराजेश्वर, दानेश्वर, पंचेश्वरनाथ, गरीबनाथ, सोमेश्वरनाथ, बटुकेश्वरनाथ और भुवनेश्वरनाथ जैसे अनेक प्राचीन शिव मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। हरी और हर की इस पावन नगरी में शिव भक्ति की धारा निरंतर बह रही है।

श्री राजीव लोचन मंदिर के सामने और पूर्व महोत्सव मंच के दाईं ओर स्थित प्राचीन भूतेश्वरनाथ महादेव का मंदिर स्थित है। यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। मंदिर में स्थापित शिवलिंग को राजिम का सबसे ऊंचा शिवलिंग माना जाता है, जिसके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ लगी रहती है।

भूतेश्वर नाथ महादेव मंदिर को कलचुरी काल का प्राचीन मंदिर माना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार इसका निर्माण लगभग 14 वीं शताब्दी में हुआ था। मंदिर ईंट और पत्थरों से बना है और इसकी बनावट चौकोर आकार में है। मंदिर की मजबूत नींव और सुंदर शिल्पकारी लोगों को आकर्षित करती है।

मंदिर के अंदर तीन मुख्य भाग हैं महामंडप, अंतराल और गर्भगृह। महामंडप में छह पत्थर के स्तंभ हैं, जो नीचे चौकोर और ऊपर गोल आकार में बने हैं। मंदिर पूर्व दिशा की ओर मुख किए हुए है। गर्भगृह में काले पत्थर से बना भूतेश्वर नाथ महादेव का शिवलिंग स्थापित है, जिसकी ऊंचाई तीन फीट से अधिक है। इसलिए इसे राजिम का सबसे ऊंचा शिवलिंग कहा जाता है। मंदिर की दीवारों पर ब्रह्मा, विष्णु और महेश सहित अन्य देवी-देवताओं की सुंदर मूर्तियां उकेरी गई हैं। दक्षिण दिशा में गंगा मैया और उत्तर दिशा में मां दुर्गा की प्रतिमाएं अंकित हैं। मान्यता है कि भूतेश्वर नाथ महादेव की पूजा-अर्चना करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं और आत्मिक शांति मिलती है। कुंभ कल्प मेले के दौरान भगवान कुलेश्वर महादेव, भगवान राजीवलोचन के साथ-साथ यहां भी श्रद्धालु दर्शन लाभ ले रहे है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950